दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

शनिवार 09 अगस्त 2025
सूर्योदय प्रात: 05 :47 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 07 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 एक हथिनी 'माधुरी' के बहाने धर्म का पुनर्पाठ

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 295 | गाजियाबाद, शनिवार 09 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

देश को पांच सवालों का जवाब दे चुनाव आयोग : राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाने के बाद शुक्रवार को कहा कि भारत का संविधान बेशकीमती है और चुनाव आयोग को इसकी प्रतिष्ठा के लिए पांच सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बड़ा सवाल यह है कि चुनाव आयोग को बताना चाहिए कि वीडियो और सीसीटीवी के सबूत क्यों और किसके कहने पर मिटाए जा रहे हैं। सवाल है कि आयोग क्या भाजपा का एजेंट बनकर काम कर रहा है। श्री गांधी ने कहा "चुनाव आयोग से पांच सवाल हैं और देश इनका जवाब चाहता है। पहला सवाल है कि विपक्ष को डिजिटल वोटर लिस्ट क्यों नहीं मिल रही। क्या छिपा रहे हो। दूसरा है कि सीसीटीवी और वीडियो सबूत मिटाए जा रहे हैं-क्यों और किसके कहने पर। तीसरा है- फर्जी वोटिंग और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की गई-क्यों। चौथा सवाल विपक्षी नेताओं को क्यों डराया धमकाया जा रहा है और पांचवा सवाल-साफ-साफ बताओ- क्या भारत का चुनाव आयोग अब भाजपा का एजेंट बन चुका है।" उन्होंने कहा कि आयोग को समझना चाहिए कि भारत का लोकतंत्र बेशकीमती है - इसकी चोरी का अंजाम बहुत भयानक होगा। अब जनता बोल रही है-बहुत हुआ।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला: राऊज एवेन्यू कोर्ट से क्रिश्चियन मिशेल को झटका, रिहाई की याचिका खारिज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। अगश्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को राऊज एवेन्यू कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने मिशेल की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने जेल से रिहाई के निर्देश देने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि आरोपी पर कथित तौर पर आईपीसी की धारा 467 के तहत अपराध करने का आरोप है, जिसके लिए आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि क्रिश्चियन मिशेल जेम्स कथित अपराधों के लिए निर्धारित अधिकतम सजा की अवधि पहले ही काट चुका है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि धारा 467 लागू होती है या नहीं, यह मुद्दा आरोप तय करने की प्रक्रिया के दौरान तय किया जाएगा। इसलिए फिलहाल उसे रिहा नहीं किया जा सकता।

राज्य सभा में विपक्ष का हंगामा जारी, कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राज्य सभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान भी विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण कोई काम नहीं हो सका और सभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। शून्यकाल में पहले स्थगन के बाद 12 बजे कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने मतदाता सूची पुनरीक्षण और कई अन्य विषयों पर कार्यस्थगन प्रस्ताव पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा जारी रखा। विपक्ष के कुछ सदस्यों ने हंगामे के दौरान ही व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहा। पीठासीन उप सभापति घनश्याम तिवाड़ी ने सदस्यों ने सदन में व्यवस्था बनाये रखने और प्रश्नकाल की कार्यवाही चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह प्रश्नकाल है, इसमें व्यवस्था का प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। इसी बीच कांग्रेस के प्रमोदी तिवारी ने किसी मुद्दे पर औचित्य का प्रश्न उठाने की कोशिश की लेकिन पीठासीन श्री तिवाड़ी ने इसकी अनुमति नहीं दी। उपसभापति ने कुछ सदस्यों द्वारा सदन में बैज पहन का आने का संज्ञान लेते हुए विगत में सभापति द्वारा दी गयी एक व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई सदस्य बैज पहन कर सदन में नहीं आ सकता। उन्होंने सदस्यों से परम्पराओं का आदर करने का अनुरोध किया।

सुप्रीम कोर्ट ने बांके बिहारी मंदिर के कोष से कॉरिडोर निर्माण के लिए

उप्र सरकार को दी अनुमति वापस ली

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने आज अपने 15 मई के उस आदेश को वापस ले लिया जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार को मथुरा के वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर के कोष से 500 करोड़ रुपये का उपयोग अपनी महत्वाकांक्षी योजना के लिए करने की अनुमति दी गई थी। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत मंदिर के चारों ओर एक गलियारा बनाया जान है जहां हर हफ्ते लाखों श्रद्धालु आते हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मंदिर के प्रबंधन के लिए उच्च न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का निर्देश दिया और राज्य सरकार द्वारा जारी एक अध्यादेश के माध्यम से इसी तरह की समिति के गठन पर रोक लगा दी।

न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 की वैधता को चुनौती देने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय जाने की अनुमति दी। पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, हम अपनी समन्वय पीठ द्वारा आदेश के उस हिस्से में संशोधन करेंगे जो याचिकाकर्ताओं को प्रभावित करेगा और हम उन्हें अध्यादेश के खिलाफ उच्च न्यायालय जाने की अनुमति देंगे।

न्यायालय ने कहा कि वह इस बीच प्रबंधन का नेतृत्व करने के लिए एक समिति का गठन करेगा। पीठ ने कहा कि वह इस संबंध में विश्तृत आदेश शनिवार तक अपलोड कर देगी। पीठ ने कहा, अध्यादेश के अनुसार समिति का गठन स्थगित रखा जाएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज के अनुरोध पर अदालत ने अध्यादेश पारित करने पर सवाल उठाने वाली उच्च न्यायालय की टिप्पणियों पर रोक लगा दी। 05 अगश्त को, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा था कि यह अध्यादेश मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए जारी किया गया था, जहां हर हफ्ते लगभग दो-तीन लाख श्रद्धालु आते हैं।

4 अगश्त को, शीर्ष अदालत ने कहा कि वह श्रद्धालुओं के लाभ के लिए मथुरा के वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को 15 मई को दी गई अपनी मंजूरी स्थगित रखेगी क्योंकि प्रमुख हितधारकों की बात नहीं सुनी गई। 15 मई, 2025 को अपने फैसले में, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी (सेवानिवृत्त) और सतीश चंद्र शर्मा की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने मथुरा में श्री बांके बिहारी जी मंदिर के चारों ओर एक गलियारा विकसित करने और इस उद्देश्य के लिए मंदिर न्यास निधि से 500 करोड़ रुपये का उपयोग करने के उत्तर प्रदेश सरकार के कदम को मंजूरी दे दी थी।

19 मई को एक आवेदन दायर किया गया था, जिसमें कहा गया था कि प्रश्तावित पुनर्विकास परियोजना का कार्यान्वयन व्यावहारिक रूप से अव्यवहारिक है।

संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामे के चलते कामकाज बाधित रहा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

संसद के दोनों सदनों में शुक्रवार को विपक्ष के हंगामे के चलते कामकाज

बाधित रहा। आज दोनों सदनों में भारत छोड़ो आंदोलन की जयंती पर स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया। लोकसभा में सदन के पूर्व सदस्य सत्यपाल मलिक के निधन पर शोक व्यक्त किया गया।

लोकसभा में कार्यवाही पहले सुबह 12 बजे और बाद में 3 बजे तक के लिए स्थगित की गई। 3 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विधेयक 2025 को सदन की अनुमति से वापस ले लिया। इस दौरान एक बार फिर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने विपक्षी सांसदों से कामकाज को सुचारू रूप से चलने देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि शुक्रवार का दिन प्राइवेट मेंबर का होता है और विपक्ष उन्हें भी समय नहीं देना चाहता। इसके बाद कृष्णा प्रसाद तिन्नटी ने कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कांग्रेस के 'वोट चोरी' आरोपों सहित विभिन्न मुद्दों पर शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। इसके चलते एक बार स्थगन के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार को आपराधिक मामले से अलग रखने वाला अपना आदेश लिया वापस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार को उनकी सेवानिवृत्ति तक आपराधिक मामले की सुनवाई से अलग रखने और उन्हें एक अनुभवी वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ खंडपीठ में बैठाने के अपने अभूतपूर्व आदेश को शुक्रवार को वापस ले लिया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई से प्राप्त एक पत्र पर गौर करते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि उसका (शीर्ष अदालत का) इरादा संबंधित न्यायाधीश को शर्मिंदा करने या उन पर आक्षेप लगाने का नहीं था। उच्च न्यायालय के आदेश को हालांकि 'अवैध और विकृत' बताते हुए शीर्ष अदालत ने इस मामले पर विचार करने का काम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पर छोड़ दिया।

पीठ ने कहा, "हम पूरी तरह से स्वीकार करते हैं कि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रोस्टर के मास्टर हैं यानी वह तय कर सकते हैं कि किस मामले को कौन से न्यायाधीश को सौपा जाए। ये निर्देश (शीर्ष अदालत का) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की प्रशासनिक शक्ति में बिल्कुल भी हश्तक्षेप नहीं करते हैं।"

पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि जब मामले कानून के शासन को प्रभावित करते हैं, तो यह न्यायालय सुधारात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। पीठ ने कहा, "हालांकि, जब मामला एक हद पार कर जाता है। जब संस्था की गरिमा खतरे में पड़ जाती है तो अपीलीय क्षेत्राधिकार में भी हश्तक्षेप करना अदालत का संवैधानिक कर्तव्य बन जाता है।" न्यायमूर्ति कुमार को शीर्ष अदालत के गुस्से का सामना करना पड़ा जब उन्होंने सामान की आपूर्ति के लिए शेष राशि का भुगतान न करने से संबंधित एक मामले में आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देते हुए कहा कि दीवानी मुकदमे में पैसा वसूलने में वर्षों लग जाएँगे। पीठ ने अपने चार अगश्त के आदेश में उच्च न्यायालय के एकल पीठ के न्यायाधीश के आदेश पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा था कि संबंधित न्यायाधीश ने न केवल खुद को बदनाम किया है, बल्कि न्याय का भी मजाक उड़ाया है।

एसआईआर 'संस्थागत चोरी' है, निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी' के लिए भाजपा के साथ साठगांठ कर रहा: राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को ''संस्थागत चोरी'' करार देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि निवार्चन आयोग गरीबों के मताधिकार को छीनने के उद्देश्य से इस ''चोरी'' को अंजाम देने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ ''खुलेआम साठगांठ'' कर रहा है।

गांधी ने अपने यूट्यूब चैनल पर जारी एक वीडियो में आरोप लगाया कि बिहार में एसआईआर इसलिए लाया गया क्योंकि निर्वाचन आयोग जानता है कि ''हमने उनकी चोरी पकड़ ली है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और भाजपा ''मतों को चुराने'' के लिए ''साठगांठ'' कर रहे हैं।

गांधी ने एक दिन पहले ही एक संवाददाता सम्मेलन में देश भर के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में ''वोट चोरी'' मॉडल का इश्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया था। गांधी ने शुक्रवार को वीडियो जारी कर कांग्रेस द्वारा की गई जांच और 2024 के लोकसभा चुनाव संबंधी कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों के विश्लेषण के बारे में बताया। गांधी ने कांग्रेस की जांच का हवाला देते हुए वीडियो में अपने आरोपों को दोहराया कि कर्नाटक की बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में ''पांच प्रकार की हेराफेरी'' के माध्यम से एक लाख से अधिक वोट ''चुराए'' गए। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 वोट चुराए गए।

गांधी ने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि भारत में ऐसी 100 से अधिक सीट हैं। यहां जो हुआ है, वही उन सीट पर भी हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''अगर भाजपा की 10-15 सीट कम होतीं तो मोदी प्रधानमंत्री नहीं होते और 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन की सरकार होती।'' उन्होंने वीडियो में महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में पाई गई ''पांच तरह की वोट चोरी'' का जिक्र किया।

गांधी ने आरोप लगाया कि महादेवपुरा क्षेत्र में 1,00,250 वोट की चोरी हुई, जिसमें 11,965 'डुप्लीकेट' मतदाता, 40,009 फर्जी एवं अमान्य पते वाले मतदाता, 10,452 'बल्क' मतदाता या एक ही पते पर पंजीकृत मतदाता, 4,132 फर्जी फोटो वाले मतदाता और 33,692 नए मतदाता के प्रपत्र छह का दुरुपयोग करके जोड़े गए मतदाता शामिल हैं। उन्होंने स्क्रीन पर ''हेराफेरी के प्रत्येक तरीके'' का उदाहरण दिखाकर अपने आरोपों पर विश्तार से बात की।

मोदी और ट्रंप के बीच विशेष संबंध का दावा अब बेनकाब हो चुका है: कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने पाकिश्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के फिर से प्रश्तावित अमेरिकी दौरे को लेकर शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच विशेष रिश्ता होने का दावा अब पूरी तरह बेनकाब हो गया है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''फील्ड मार्शल आसिम मुनीर, जिसकी भड़काऊ और सांप्रदायिक टिप्पणियों ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले की पृष्ठभूमि तैयार की थी, अब अमेरिका का बेहद प्रिय बन चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 18 जून 2025 को उसे वाशिंगटन में एक अप्रत्याशित भोज पर आमंत्रित किया।''

उन्होंने कहा, ''पाकिश्तानी सेना प्रमुख एक बार फिर अमेरिका जा रहा है, इस बार सेवानिवृत्त हो रहे अमेरिकी केंद्रीय कमान के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला के विदाई समारोह में शामिल होने के लिए।

जनरल कुरिल्ला वही हैं, जिन्होंने 10 जून 2025 को पाकिश्तान को 'आतंकवाद विरोधी अभियानों में एक शानदार साझेदार' बताया था। यह एक अजीबोगरीब प्रमाण-पत्र था।''

रमेश के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ विशेष संबंध का दावा करते रहे हैं, लेकिन अब यह दावा पूरी तरह बेनकाब हो चुका है।

उन्होंने कहा, ''जनवरी 2025 से अब तक अमेरिका ने भारत में कोई स्थायी राजदूत नियुक्त नहीं किया है और न ही किसी नाम को पुष्टि के लिए अमेरिकी सीनेट में भेजा गया है, जबकि चीन जैसे अन्य अहम देशों के लिए यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।''

'घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करें या देश से माफी मांगें', राहुल गांधी के वोट चोरी के दावे पर चुनाव आयोग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राहुल गांधी की ओर से चुनाव आयोग पर लगाए गए 'वोट चोरी' के गंभीर आरोपों पर आयोग ने सख्ती दिखाई है। चुनाव आयोग ने इस पूरे मामले की जांच करने के लिए राहुल गांधी से हलफनामा देने की मांग की है।

सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने कहा कि यदि राहुल गांधी को अपने विश्लेषण पर भरोसा है और वे चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सच मानते हैं, तो उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के घोषणा-पत्र (डिक्लरेशन) पर हश्ताक्षर करने चाहिए। आयोग ने कहा कि यदि राहुल गांधी इस घोषणा-पत्र पर हश्ताक्षर नहीं करते, तो इसका सीधा अर्थ होगा कि उन्हें अपने ही विश्लेषण और उसके आधार पर लगाए गए आरोपों पर विश्वास नहीं है। ऐसे में, चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए गए 'बेतुके आरोपों' के लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। सूत्रों के अनुसार, चुनाव

आयोग ने आगे कहा है कि राहुल गांधी के पास अब केवल दो विकल्प हैं, या तो घोषणा-पत्र पर हश्ताक्षर करके अपने आरोपों को साबित करें, या फिर बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए राष्ट्र से सार्वजनिक रूप से मांफी मांगे करें।

बता दें कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर चुनावों में हेराफेरी कर रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे संविधान की नींव 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत पर टिकी है।

वोट चोरी पर राहुल गांधी के खुलासे की जांच हो : प्रियंका गांधी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से लगाए गए धांधली के आरोप को लेकर चुनाव आयोग फैक्ट चेक ने जवाब दिया है। ईसीआई फैक्ट चेक ने राहुल गांधी के आरोपों को भ्रामक बताया है। चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि अगर राहुल गांधी मानते हैं कि वे जो कह रहे, वह सच है तो उन्हें वोटर रजिस्ट्रेशन नियम 1960 के 20(3)(बी) के अनुसार घोषणा या शपथ पत्र पर हश्ताक्षर करके गुरुवार शाम तक देना चाहिए।

दिल्ली : हुमा कुरैशी के चचेरे भाई की हत्या में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी के चचेरे भाई आसिफ कुरैशी की हत्या मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

आसिफ कुरैशी की पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद गुरुवार देर रात हत्या कर दी गई थी। यह घटना गुरुवार देर रात करीब 9 बजे निजामुद्दीन थाना क्षेत्र के जंगपुरा भोगल बाजार लेन में हुई। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 42 वर्षीय आसिफ कुरैशी पर उस समय तेज धार वाले हथियार (पोकर) से हमला किया गया, जब उन्होंने दो लोगों से उनके घर के मुख्य प्रवेश द्वार के पास खड़ी स्कूटर हटाने को कहा। पुलिस ने बताया कि विवाद बढ़ गया और यह हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों आरोपी उस समय वहां से चले गए, लेकिन आसिफ को धमकी दी कि वे वापस आएंगे। वे कुछ समय बाद तेज धार वाले पोकर के साथ लौटे और उन पर हमला कर दिया।

पुलिस को 7 अगश्त को रात लगभग 10:30 बजे घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने आसिफ को गंभीर रूप से घायल और खून से लथपथ पाया। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी चोटों के कारण मृत्यु हो गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) और 3(5) के तहत एक एफआईआर (संख्या 233/25) दर्ज की है। आरोपियों की पहचान उज्जवल (19) और गौतम (18) के रूप में हुई है।

हार्डवेयर कारोबारी से दिनदहाड़े 5 लाख की लूट

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना सासनीगेट क्षेत्र में दिन दहाड़े बदमाशों ने तंमचे की नोक पर फैक्ट्री मालिक का निशाना बनाया और 5 लाख रुपये से भरा बैग छीनकर भाग गये। बैग मेंजरूरी कागजात के अलावा बिल बुक भी रखी थी।

गली में लगे सीसीटीवी कैमरे में भागते हुए लुटेरा कैद हो गया। लूट की सूचना पर इलाका पुलिस भी पहुंच गई। पीडित ने लूट की घटना की तहरीर दी है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की मदद से लुटेरे की तलाश करने में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-11 के निवासी वाले संजय अरोरा पुत्र ओमप्रकाश अरोरा की सासनीगेट इलाके में हार्डवेयर की फैक्ट्री है। संजय अरोरा हर सप्ताह अपने कर्मचारियों और व्यापारियों का भुगतान करने आते हैं। वह गुरुवार की सुबह करीब 9 बजे तमोली पाड़ा फैक्ट्री में पहुंचे। ऑफिस के काउन्टर पर बेग रख दिया। तभी पीछे से आये नकाबपोश ने उनकी कमर पर तमंचा लगा दिया और गोली मारने की धमकी देकर दूंगा। उन्होने अपनी जान बचाते हुए बेग मेज पर रख दिया। तभी बदमाश ने धक्का मारा और बेग उठाकर भाग गया। संजय ने घटना के बाद शोर मचा दिया।

आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने घटना की सूचना कन्ट्रोल रूम को दी। गली में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किये। जिसमे लुटेरा भागते हुए साफ दिख रहा है। उसने कंधे पर बेग रखा हुआ है। उधर, सूचना पर पुलिस मौके पर आ गई। पीड़ति ने पुलिस को बताया कि बेग में 5 लाख रुपये के अलावा जरूरी कागजात और बिल बुक रखी थी। 5 लाख रुपये वह अपनी लेबर और व्यापारियों को बांटने के लिए लाए थे। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लुटेरे की तलाश की जा रही है। क्षेत्र में लगी सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं।

ट्रेन से कटकर रिटायर्ड नायब सूबेदार की मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

दिल्ली कानपुर रेलवे लाइन स्थित चोला रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से रिटायर्ड नायब सूबेदार की दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों नेबताया कि मृतक प्लाट से घूमकर अपने घर लौट रहे थे। सूचना पर पुलिस मौके पर आ गई।

जीआरपी पुलिस ने पोस्टमार्टम कार्यवाही के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। गांव फतेहपुर जादोन के रहने वाले 65 वर्षीय महेंद्र सिंह पुत्र गुलाब सिंह फौज से नायब सूबेदार के पद से 2004 में सेवानिवृत्त हुए थे। परिवार में बेटा इंद्र जीत व दो बेटियां हैं। सभी की शादी हो चुकी है। इंद्र जीत ने बताया कि चोला रेलवे स्टेशन के पास उनका एक प्लाट है। पिता वहीं घूमने गए थे। वापस आने के दौरान ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे के बाद राहगीर और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।

इन्हीं में एक व्यक्ति ने उनकी पहचान कर ली और घर पर खबर दी। पुलिस ने पंचायत नामा की कार्रवाई के साथ पोस्टमार्टम करवाया और बुधवार की शाम शव सौंप दिया। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों में देशभक्ति से ओतप्रोत गतिविधियाँ संपन्न

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शासन के निर्देशानुसार चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के प्रथम चरण (2से 8 अगश्त) के अंतर्गत अलीगढ़ जनपद के विभिन्न विद्यालयों में देशभक्ति की भावना से सराबोर विविध कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज, विजय विद्यालय इंटर कॉलेज एवं गांधी इंटर कॉलेज में तिरंगा राखी निर्माण कार्यशालाएं एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह और सृजनात्मकता के साथ भाग लिया। राष्ट्र प्रेम से प्रेरित छात्र-छात्राओं ने तिरंगे रंगों से मनमोहक रंगोलियां बनाई, भारत के नक्शे, इंडिया गेट की आकृतियां, तिरंगा झूमर, ग्लोबल पोस्टर आदि का अत्यंत आकर्षक निर्माण किया।

जमीनी विवाद में युवक की हत्या का मामले मे दोषियों को उम्रकैद

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना खैर इलाके में 19 साल पहले जमीनी रंजिश में हुई एक युवक की हत्या के मामले में अदालत ने फैसला सुनाया है।

एडीजे तृतीय प्रतिभा सक्सेना की अदालत ने दो दोषी बुजुर्गों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोनों पर 51-51 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। मामला 28 जनवरी 2006 का है जब खैर थाना क्षेत्र के गांव जरारा में गली में गंदगी करने को लेकर विवाद हुआ था।

ग्रेटर नोएडा के भनौता गांव में अवैध निर्माणों पर गरजे बुलडोजर

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के भनौता गांव में अधिसूचित क्षेत्र की जमीन पर हुए अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। यहां प्राधिकरण की अनुमति के बिना 24 से अधिक मकान बना थे। कब्जे से मुक्त कराई गई 65 हजार वर्गमीटर जमीन की कीमत 130 करोड़ रुपये आंकी गई है।

प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों को सूचना मिली थी कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के भनौता गांव के खसरा संख्या-131, 207, 228, 294, 295 और 296 में लगभग 65 हजार वर्ग मीटर जमीन पर कॉलोनाइजर और भूमाफिया कॉलोनी काटने की कोशिश रहे हैं। बिना अनुमति के निर्माण कार्य किया जा रहा है। मौके का सर्वे करने पर शिकायत सही पाए जाने पर प्राधिकरण के परियोजना और भूलेख विभाग की टीम भारी पुलिस बल के साथ भनौता गांव में पहुंची और अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

वर्क सर्किल-2 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम सिंह ने बताया कि

अवैध कॉलोनी काटने की जानकारी होने पर नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन कॉलोनाइजर चोरी-छिपे निर्माण कार्य करा रहे थे। क्षेत्र में हुए अन्य अवैध निर्माण को चिह्नित किया जा रहा है। अवैध निर्माण के खिलाफ विशेष अभियान जारी है। आठों वर्क सर्किल में अवैध निर्माण की सूची तैयार हो रही है। प्राधिकरण ने 11 जुलाई को हैबतपुर गांव में हिंडन के डूब क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण को ढहाया था। भनौता गांव में 25 जून को 40 हजार वर्गमीटर जमीन अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई थी,जिसकी कीमत लगभग 80 करोड़ रुपये आंकी गई थी। प्राधिकरण की टीम ने आमका गांव में 27 जून को अवैध निर्माण हटाया गया था। सुमित यादव, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। अवैध कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं।

नोएडा में यहां बन रहा बेहद खास स्काईवॉक, शून्य जैसा होगा आकार

नोएडा एजेंसी। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर पर बनने वाले जिले के पहले शून्य आकार के स्काईवॉक के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इसको बनाने के लिए 21 अगस्त तक आवेदन मांगे गए हैं। 22 अगस्त को टेंडर खोला जाएगा। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद यह स्काईवॉक एक वर्ष में बनकर तैयार होगा।

यह स्काईवॉक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बने एफओबी को छोड़ते हुए छिजारसी की तरफ जीरो आकार में बनाया जाएगा। स्काईवॉक के निर्माण से सेक्टर-62 में लगने वाले जाम की समस्या का समाधान होगा। इसका निर्माण करीब 28 करोड़ की लागत से होगा। आईआईटी दिल्ली ने हाल ही में इस परियोजना के डिजाइन और बजट को मंजूरी दी थी। मॉडल टाउन गोलचक्कर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से सटा हुआ है।

नशे में युवक से मारपीट, बचाने आई पत्नी से अश्लीलता

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

राजनगर एक्सटेंशन की सोसाइटी की पार्किंग में नशे में धुत आरोपी ने गाली-गलौज के विरोध पर युवक से मारपीट कर दी। युवक की पत्नी बचाने आई तो आरोपी ने उसके साथ अश्लील हरकत की। पीड़ित महिला ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी के खिलाफ नंदग्राम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

राजनगर एक्सटेंशन की सोसाइटी में रहने वाली महिला का कहना है कि पांच जुलाई की रात करीब नौ बजे वह देविका स्काईपर सोसाइटी में रहने वाले अपने चाचा के पास गई थीं। उनके साथ पति, चाची तथा बहन भी थीं। सोसाइटी के बेसमेंट में गाड़ी से उतरे तो वहां सोसाइटी का ही रहने वाला विकास कुमार पहले से मौजूद था।

आरोप है कि नशे में धुत विकास उनके परिवार को देखते ही गाली-गलौज करने लगा। पति ने विरोध किया तो आरोपी ने उन्हें थप्पड़ जड़ दिए। महिला का कहना है कि उन्होंने पति को बचाने का प्रयास किया तो निकास ने उनके साथ अश्लील हकत की और हाथ पकड़कर खींचा।

धक्का-मुक्की में विकास गिर गया, लेकिन उठकर उसने फिर से उनके परिजनों को गालियां देनी शुरू कर दीं। महिला के मुताबिक वह गर्भवती हैं। विकास ने उनके पेट में घूंसा मारा तो वह दर्द से चिल्लाने लगीं। शोर सुनकर सोसाइटी के अन्य लोग आए, जिन्होंने उन्हें आरोपी से बचाया। आरोप है कि डायल-11 पर फोन करने के बाद पहुंची पुलिस के सामने भी विकास ने खूब गालियां बकीं। उसने कहा कि पुलिस उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती।

पीड़िता के मुताबिक इसकी वीडियो भी उनके पास है। आरोप है कि पांच जुलाई को उन्होंने नंदग्राम थाने में शिकायत दी और उसके बाद उच्चाधिकारियों से भी गुहार लगाई, लेकिन आरोपी के प्रभाव में आकर पुलिस ने उनकी रिपोर्ट नहीं लिखी।

जिसके चलते उन्हें कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। CO नंदग्राम पूनम मिश्रा का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर आठ अगश्त को विकास कुमार के खिलाफ नंदग्राम थाने में छेड़छाड़, मारपीट तथा धमकी का केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

राहुल गांधी ने भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर 'अनावश्यक' टिप्पणी की: मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर 'अनावश्यक' टिप्पणियां करते रहते हैं। सैनी ने दावा किया कि पिछले दो दशकों में राहुल गांधी ने राजनीति में खुद को स्थापित करने की कई बार कोशिश की लेकिन हर बार असफल रहे। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी हर बात पर भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर अनावश्यक टिप्पणी करते रहते हैं, अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए चुनाव आयोग पर टिप्पणी करना अनुचित है।''

सैनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' पिछले दो दशकों में उन्होंने (राहुल गांधी ने) राजनीति में स्थापित होने के कई प्रयास किये लेकिन असफल रहे। खुद तो असफल हुए ही, अपने साथ-साथ पूरी कांग्रेस की लुटिया भी डुबो दी।'' सैनी का यह तीखा हमला राहुल गांधी द्वारा बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग के बीच मिलीभगत के जरिए चुनावों में 'बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी' करने का आरोप लगाए जाने के बाद किया गया।

कांग्रेस नेता ने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र के आंकड़ों का कथित तौर पर किए गए विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि यह ''संविधान के खिलाफ अपराध'' है। सैनी ने कहा, ''बार-बार हरियाणा को लक्ष्य करके वो 'हरियाणा प्रदेश कांग्रेस' के संगठन की ढिलाई, नाकामी और गुटबाजी पर पर्दा डालने की असफल कोशिश कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''हरियाणा के मेरे परिवारजनों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर कांग्रेस को नकार कर भारतीय जनता पार्टी को प्रदेश में प्रचंड बहुमत दिया और लगातार तीसरी बार सरकार बनवाई।

इंस्टाग्राम पर बिक रहे थे अवैध हथियार, यूपी की यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र पकड़े

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। यूपी के मुजफ्फरनगर में थाना सिविल लाइन पुलिस व क्राइम ब्रांच ने इंस्टाग्राम व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से अवैध असलाहों को बेचने वाले गिरोह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों से पुलिस ने तीन पिस्टल, एक रिवाल्वर, नौ तमचे, दो मस्कट व एक स्कूटी बरामद की है। गिरफ्तार सभी आरोपी मेरठ जनपद के रहने वाले हैं और इनमें एक छात्र भी शामिल है। मुजफ्फरनगर में अवैध हथियारों की डिलीवरी करने के लिए आए थे।

पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता करते हुए एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि थाना सिविल लाइन प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने अपनी टीम व क्राइम ब्रांच को साथ लेकर मुखबिर की सूचना पर संधावली अंडर पास के बराबर से अवैध हथियारों की तस्करी करने आए तस्कर आकिब निवासी लखीमपुरा थाना लिसाडी गेट मेरठ, सालिक, आरिफ व असद निवासीगण निवासी मोहल्ला बनियापाडा थाना कोतवाली नगर मेरठ व कुश कौशिक निवासी मोहल्ला खजूरी दरवाजा थाना किला परीक्षितगढ़ मेरठ को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए गिरोह का सरगना सालिक है। इसके अलावा गिरोह के सदस्य अन्य जनपदों से

अवैध हथियार लाकर जनपद व आसपास के जनपदों में सप्लाई करते हैं। थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए तस्करों ने जनपद के कई अपराधियों को अवैध हथियार सप्लाई किए हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ है।

आरोपी कुश कौशिक मेरठ के विवि का छात्र है। वह कालेज से एमसीए की पढ़ाई कर रहा है। फेल होने के कारण पैसे की कमी की वजह से वह इस गिरोह से जुड़ गया। आरोपी आरिफ कपड़े की दुकान पर नौकरी करता है। अन्य मजदूरी करते हैं। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि तस्करों को पकड़ने में थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, एसआई प्रशांत कुमार, एसआई सानू चौधरी, हैड कांस्टेबल सोविन्द्र ,अंकित, ब्रहमदेव, सुधीर, तरुण पाल, विक्रांत को दस हजार का इनाम देने की घोषणा की है। यह गिरोह सोशल मीडिया प्लेटफार्मों व इंस्टाग्राम पर रील बनाने वाले युवकों को अपने जाल में फंसाते है। गिरोह के लोग रील बनाने वाले युवकों को रील में अवैध हथियारों के साथ रील बनाने के लि ए कहकर उन्हें अवैध हथियार बेचने का काम करते थे।

खाली प्लॉट को नगर निगम बनाएगा सार्वजनिक पार्क

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

नगर निगम अलीगढ़ द्वारा '"स्वच्छ अलीगढ़, स्वस्थ अलीगढ़"' अभियान को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को महापौर प्रशांत सिंघल एवं नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा द्वारा वार्ड 30 (सुरक्षा बिहार, जीटी रोड क्षेत्र) एवं वार्ड 14 का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में भारी गंदगी, नालियों का ओवरफ्लो, नाले में फ्लोटिंग कचरा, गोबर एवं सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति देखी गई, जिससे महापौर एवं नगर आयुक्त ने नाराजगी प्रकट की।

विशेष रूप से निरीक्षण के दौरान 20 से अधिक खाली प्लॉट्स में कूड़े का अम्बार मिला। इस पर नगर आयुक्त ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि यदि 5 दिवस के भीतर प्लॉट स्वामी चारदीवारी नहीं कराते हैं, तो नगर निगम ऐसे प्लॉट्स पर ष्नगर निगम संपत्तिष् का बोर्ड लगाकर उन्हें सार्वजनिक पार्क अथवा उपयोगी सामुदायिक स्थल में

परिवर्तित करेगा।

महापौर एवं नगर आयुक्त ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि पूरे सप्ताह चलने वाले विशेष अभियान में मुख्य मार्गों, नालों, सार्वजनिक स्थानों, और सभी खाली प्लॉट्स की व्यापक सफाई सुनिश्चित की जाए। दोनों वार्डों में सफाई व्यवस्था दोयम दर्जे की मिलने पर नगर आयुक्त ने सुखमा कंपनी के प्रोजेक्ट हेड रितेश कपूर को अंतिम चेतावनी देते हुए सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया साथ ही साथ नगर आयुक्त ने सुखमा कंपनी को सफाई उपकरण बढ़ाने के लिए भी कहा। महापौर और नगर आयुक्त ने संयुक्त रूप से सेंटर पॉइंट पर सफाईकर्मियों को नई ड्रेस भी वितरित की गई और उन्हें कार्य के प्रति अधिक जिम्मेदारी से जुड़ने का आह्वान किया गया।महापौर श्री प्रशांत सिंघल ने कहा जनता की अपेक्षाएं अब मात्र घोषणा नहीं, परिवर्तन की मांग हैं। मुख्यमंत्री जी ने जो चेतावनी दी है, उसे हम अवसर में बदलेंगे। जो सफाई नहीं करेगा, वह ठहरेगा नहीं। हमारा लक्ष्य सिर्फ स्वच्छता नहीं, बल्कि एक आदर्श शहर का निर्माण है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा नगर निगम अब सिर्फ सफाई के निर्देश नहीं देगा, सीधे कार्रवाई करेगा। चाहे वह प्लॉट स्वामी हो या सफाई व्यवस्था देखने वाली कंपनी। नगर निगम ने स्पष्ट कर दिया हैकृगंदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुखमा कंपनी को 24 घंटे का अल्टीमेटम दे दिया गया है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद दिनेश जादौन एवं दिनेश भारद्वाज, स्टेनो देश दीपक मीडिया सहायक अहसान रब नाजिर संजय सक्सेना स्वच्छता निरीक्षक विजय असोल एवं सुखमा कंपनी के प्रोजेक्ट हेड रितेश कपूर डॉ तरुण, स्टेनो सतीश भी उपस्थित रहे।

दुकानदार क्रेडिट कार्ड से सवा 8 लाख निकालकर फरार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कौशांबी थाना क्षेत्र में एक दुकानदार क्रेडिट कार्ड से रुपये निकालने के नाम पर करीब सवा आठ लाख रुपये लेकर फरार हो गया। आरोपी दुकानदार दो प्रतिशत कमीशन पर कार्ड से रुपये निकाला करता था। पीड़ित ने थाना कौशांबी में शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है।

लाजपत नगर निवासी दुर्गेश कुमार का कहना है कि वह वैशाली स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की दुकान से करीब एक साल से दो प्रतिशत कमीशन देकर अपने क्रेडिट कार्ड से रुपये निकाला करते थे। दुर्गेश के अनुसार, 29 मार्च को उन्होंने उक्त दुकान से अपने क्रेडिट कार्ड के जरिए तीन ट्रांजेक्शन में करीब ढाई लाख रुपये ट्रांसफर किए थे। इसके बाद दो और चार अप्रैल को उन्होंने करीब पांच लाख 70 हजार रुपये की ट्रांजेक्शन की थी। कुल मिलाकर, उन्होंने करीब सवा आठ लाख रुपये वैशाली सेक्टर तीन निवासी दुकानदार दीपक पुंडीर को भेजे थे। इसके बदले दीपक को दो प्रतिशत कमीशन रखकर बाकी रुपये लौटाने थे। दुर्गेश का कहना है कि, इस बार दीपक ने उनसे कहा कि वित्तीय वर्ष का अंतिम महीना होने के चलते बैंक खाते में रुपये नहीं आए है।

जैसे ही खाते में राशि आएगी, वह लौटा देगा। दुर्गेश कुमार करीब एक साल से दुकानदार के साथ रुपयों की लेन-देन होने के चलते उन्होंने उस पर भरोसा कर लिया। लेकिन, बाद में दीपक लगातार तारीख आगे बढ़ाता रहा और रुपये नहीं लौटाए। वहीं, 24 अप्रैल के बाद से उसने फोन कॉल उठाना भी बंद कर दिया। दीपक की तीन-चार दुकानें और भी थीं, लेकिन जब वह उन दुकानों पर गए तो सभी बंद मिलीं। अब पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

एक्सरसाइज कर रहे बच्चों को कुचल गया ट्रक, 4 की मौके पर मौत; पुलिस की तैयारी में जुटे थे

गढ़चिरौली, एजेंसी। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एक दर्दनाक हादसा हुई है। गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे छह किशोरों को कुचल दिया। हादसा कटली गांव के पास आर्मोरी-गड़चिरोली हाईवे पर सुबह करीब 5:15 बजे हुआ। इस दुर्घटना में चार लड़कों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी किशोर 12 से 16 वर्ष की उम्र के थे और रोजाना की तरह सुबह-सुबह कसरत कर रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार ट्रक किशोरों को कुचलता हुआ तेजी से मौके से फरार हो गया। यह सड़क आमतौर पर सुबह के समय फिटनेस प्रेमियों से गुलजार रहती है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने हाईवे पर यातायात रोककर प्रदर्शन शुरू कर दिया। लोगों ने एम्बुलेंस की देरी और समय पर इलाज नहीं मिलने को भी बच्चों की मौत का कारण बताया।

पुलिस ने हादसे में मारे गए चार किशोरों की पहचान कर ली है। इस हादसे में 14 साल के पिंकू भोयर, 16 साल के तनय मंकार, 14 साल के ही दिशांत मेश्राम और 16 साल के तुषार मर्बाटे की मौत हो गई।

कन्हैयालाल हत्याकांड पर बनी उदयपुर फाइल्स सिनेमाघरों में रिलीज

उदयपुर, एजेंसी। उदयपुर के बहुचर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स आज देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। संवेदनशील विषय को देखते हुए उदयपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस और प्रशासन ने शहरभर में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर रखी है, ताकि फिल्म के प्रदर्शन के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति न हो।

कन्हैयालाल के बेटे यश तेली ने बताया कि वे परिवार सहित फिल्म देखने जाएंगे। उनका कहना है कि फिल्म में उनके पिता की तालिबानी तरीके से की गई हत्या और उससे जुड़े पूरे घटनाक्रम को दिखाया गया है। उन्होंने आम जनता से भी फिल्म देखने की अपील करते हुए कहा कि यह फिल्म सच को सामने लाने का एक माध्यम है और हर किसी को इस घटना की सच्चाई जाननी चाहिए।

इस फिल्म की रिलीज पर पहले अंतरिम रोक लगी थी। 10 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने कुछ संगठनों और एक आरोपी मोहम्मद जावेद की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रदर्शन पर रोक लगा दी थी। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां 25 जुलाई 2025 को फिल्म रिलीज की अनुमति मिल गई। हालांकि इसके बाद भी विवाद खत्म नहीं हुआ और मामला दोबारा दिल्ली हाईकोर्ट में पहुंचा।

1 अगस्त को दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को फिल्म की समीक्षा कर निर्णय लेने के निर्देश दिए। इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक समिति गठित की, जिसने फिल्म को देखकर रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट के आधार पर 6 अगस्त को फिल्म को रिलीज की मंजूरी दे दी गई। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सेंसर बोर्ड और फिल्म निर्माता ने समिति की सिफारिशों के आधार पर अतिरिक्त कट लगाए हैं, ताकि संवेदनशील पहलुओं का ध्यान रखा जा सके।

फिल्म के निर्माता अमित जानी ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि इस फिल्म का मकसद किसी भी समुदाय को निशाना बनाना नहीं है, बल्कि एक सच्ची घटना को जनता तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया था और फिल्म के जरिए उस समय की वास्तविकता को लोगों के सामने रखा गया है। फिल्म में अभिनेता विजय राज ने कन्हैयालाल की भूमिका निभाई है, जबकि रजनीश दुग्गल और प्रीति झांगियानी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

गौरतलब है कि 28 जून 2022 को उदयपुर के मालदास स्ट्रीट में टेलर कन्हैयालाल की दुकान में घुसकर गौस मोहम्मद और रियाज अत्तारी ने धारदार हथियार से हत्या कर दी थी। इस वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया था। मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने संभाली और गौस मोहम्मद, रियाज अत्तारी सहित 11 आरोपियों के खिलाफ यूएपीए और आर्म्स एक्ट के तहत चालान पेश किया।

इस मामले में दो आरोपी फरहाद उर्फ बबला और मोहम्मद जावेद को अब तक जमानत मिल चुकी है।

कार की टक्कर लगने से गिरे युवकों से की मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में बाइक पर सवार हो घर लौट रहे तीन युवकों को कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गिरे तीनों युवकों से बाद में कार सवार बदमाशों ने मारपीट भी की। मारपीट में घायल हुए एक युवक ने थाना इंदिरापुरम में शिकायत दर्ज कराई है। खोड़ा के आदर्श नगर निवासी आदित्य का कहना है कि वह पांच अगश्त को शाम करीब छह बजे अपने दो दोश्तों के साथ विधायक कॉलोनी से बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित अनुकंपा सोसाइटी के बाहर एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह तीनों बाइक से नीचे गिरकर घायल हो गए। आदित्य का आरोप है कि टक्कर लगने से घायल होने के बाद आरोपी कार चालक व उसके साथियों ने कार से नीचे उतरकर उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित आदित्य ने थाना इंदिरापुरम में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी कार चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि घटना के पास की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है, तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

शराब के लिए पैसे न देने पर मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव दतैड़ी में शराब के लिए पैसे ना देने पर युवक ने पत्नी को मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। गांव दतैडी निवासी महिला गीता अपने पति राहुल के साथ रहती है। गीता का आरोप है कि राहुल शराब पीने का आदी है। शराब के लिए पैसे ना देने पर आए दिन मारपीट करता है। गुरुवार रात को भी शराब के लिए पैसे ना देने पर मारपीट कर घायल कर दिया। महिला की तहरीर पर पुलिस ने राहुल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अध्यापक के दो खातों से ढाई लाख रुपये निकाले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र की रामपार्क कॉलोनी में अध्यापक के बैंक खाते से ठगों ने 23 जुलाई को ढाई लाख रुपये ठग लिये। बैंक से पैसे कटने का मैसेज आने पर पीड़ति को अपने साथ हुई ठगी का पता चला। पीड़ति ने मामले की शिकायत पुलिस व साइबर सेल से की है। रामपार्क कॉलोनी निवासी राजीव निजी स्कूल में अध्यापक है। उन्होंने बताया कि इलायचीपुर स्थित एसडीएफसी बैंक की शाखा में उनका बचत खाता है। उन्होंने अपने खाते में एक एक लाख रुपये की दो एफडी करा रखी थी। उन्होंने बताया कि 23 जुलाई को सोशल मीडिया व्हाटस एप के माध्यम से आरटीओ चालान एप का लिंक आया। उन्होंने लिंक पर क्लिक किया तो फोन गर्म होने लगा। उन्होंने बताया कि शाम करीब चार बजे फोन पर बैंक से पिन चेंज करने के मैसेज आये। जब तक वह कुछ करते तब तक ठगों ने उनके एक खाते में जमा एक लाख एक हजार 358 रुपये की दो एफडी व दूसरे खाते से करीब 49 हजार नौ सौ अस्सी रुपये निकाल लिये। उन्होंने बैंक कर्मचारी द्वारा बताए गए टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने 27 जुलाई को स्थानीय पुलिस साइबर सेल से मामले की शिकायत की। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर साबर सेल द्वारा पैसे वापस कराने के लिए बैंक से पत्राचार किया गया है।

ई-रिक्शा की टक्कर महिला का पैर तीन जगह से टूटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। नेहरू नगर के आनंद विहार इलाके में ई-रिक्शा चालक ने घर के बाहर खड़ी महिला को टक्कर मार दी। घटना में महिला के पैर की हड्डी तीन जगह से टूट गई। टक्कर मारने वाले ई-रिक्शा में महिला के ससुर ही बैठकर आ रहे थे। महिला के पति की शिकायत पर सिहानी गेट पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। नेहरू नगर के आनंद विहार इलाके में रहने वाले सुमित बैसोया का कहना है कि तीन अगश्त की दोपहर करीब डेढ़ बजे उनके पिता सतबीर बैसोया ई-रिक्शा में बैठकर घर आ रहे थे। उनकी पत्नी प्रीति बैसोया घर के दरवाजे के सामने खड़ी थी। आरोप है कि ई-रिक्शा चालक ने लापरवाही से ड्राइविंग करते हुए उनकी पत्नी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी पत्नी का पैर तीन जगह से टूट गया। आरोपी ई-रिक्शा चालक ने अपना नाम रणविजयच यादव बताााया। सुमित बैसोया का कहना है कि उन्होंने पत्नी को गोविंदपुरम स्थित शिवालिक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के संबंध में सुमित ने सिहानी गेट थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा का कहना है कि शिकायत के आधार पर सात अगश्त को आरोपी ई-रिक्शा चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले में आगामी कार्रवाई की जा रही है।

छांगुर गैंग के खिलाफ मुखर हुई पीड़िता, विधायक से मिलाकर लगाई गुहार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लव जिहाद और गैंगरेप का शिकार होने का दावा करने वाली पीड़िता सोनू रानी शर्मा ने छांगुर गैंग के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए शनिवार को लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर से मुलाकात की और न्याय की गुहार लगाई। पीड़िता सोनू रानी, जो इस केस की प्रमुख गवाहों में से एक हैं, ने विधायक को बताया कि यह गिरोह सुनियोजित तरीके से हिंदू लड़कियों को अपने जाल में फंसाता है और फिर उनका शोषण करता है। उन्होंने सहारनपुर पुलिस पर गंभीर लापरवाही और मिलीभगत के आरोप लगाए। सोनू रानी का कहना है कि गैंगरेप जैसी जघन्य वारदात के बावजूद पुलिस ने एफआईआर तक दर्ज नहीं की। साथ ही लव जिहाद में फंसाने वाले मुख्य आरोपी को भी जानबूझकर बचाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद ने उन्हें कहा – "ले-देकर कर लो सेटिंग", जबकि कैराना के सांसद ने जब आरोपियों के नाम सुने तो उन्होंने मामले को नजरअंदाज कर दिया। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि "यदि पुलिस ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो मैं स्वयं सहारनपुर जाकर इस पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करूंगा – चाहे वह कोई नेता हो, अधिकारी हो या अपराधी।"

केस वापस न लेने पर घर में घुसकर जानलेवा हमला

ननद ने बाल पकड़कर पीटना शुरू किया, अन्य लोगों ने डंडों से हमला कर दिया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

विजयनगर थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला ने केस वापस न लेने पर ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा घर में घुसकर मारपीट, छेड़छाड़ तथा हत्या के प्रयास का आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़िता ने कोर्ट के आदेश पर पांच नामजद तथा दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी। विजयनगर थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला का कहना है कि उनकी शादी हाथरस निवासी आरिफ के साथ हुई थी। वर्तमान में पति से उनका विवाद चल रहा है। परिवार न्यायालय में उन्होंने भरण पोषण का वाद दायर किया हुआ है।

महिला के मुताबिक 20 जून 2025 को वह कोर्ट में तारीख पर आई थीं। कोर्ट के बाहर पति आरिफ उन्हें मिला। उसने बात करने की इच्छा जाहिर की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

इस पर पति ने कहा कि वह उनके घर आकर ही बात करेगा। आरोप है कि 20 जून को ही रात आठ बजे आरिफ अपने दो भाइयों, बहन-बहनोई और दो अज्ञात लोगों को साथ लेकर जबरन उनके घर में आ घुसा और कोर्ट में चल रहे केस को वापस लेने का दबाव डाला।

उन्होंने केस वापस लेने से इनकार कर दिया तो आरोपी गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि ननद ने बाल पकड़कर उन्हें पीटना शुरू कर दिया तथा अन्य लोगों ने डंडों से हमला कर दिया। वह बचने के लिए घर में भागीं तो पति के बहनोई ने गलत तरीके से पकड़कर उन्हें खींच लिया, जिसके बाद आरोपियों ने उन्हें फिर से पीटना शुरू कर दिया।

महिला का आरोप है कि उनके पिता ने बचाने की कोशिश की आरोपियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा और डंडे से उनका सिर फोड़ दिया। पिता बेहोश होकर गिर गए तो आरोपी उन्हें मरा समझकर फरार हो गए और जाते-जाते केस वापस न लेने पर हत्या की धमकी दी।

पीड़िता का कहना है कि विजयनगर थाने तथा उच्चाधिकारियों को शिकायत देने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते उन्हें कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर सात अगश्त को विजयनगर थाने में महिला के पति समेत पांच नामजद तथा अज्ञात लोगों के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट, हत्या का प्रयास तथा अन्य धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

कर्मचारी की मौत पर फैक्टरी मालिक समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी के ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी में एक माह पहले करंट लगने से कर्मचारी की मौत के मामले में पुलिस ने बुधवार को लापरवाही से हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है।

मृतक के परिजनों ने फैक्टरी मालिक समेत तीन पर केस दर्ज कराया है। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की राम प्रकाश विहार कॉलोनी में रहने वाले 64 वर्षीय नारायण सिंह ट्रोनिका सिटी स्थित एक फैक्टरी में इलेक्ट्रीशियन की नौकरी करते थे।

उनके बेटे पंकज ने बताया कि नौ जुलाई को फैक्टरी मैनेजर ने काम करते समय करंट लगने से पिता की मौत होने की जानकारी दी थी।

फैक्टरी मैनेजर अजित कुमार, सुपरवाइजर व कर्मचारी पिता के शव को लेकर लोनी सामुदायिक केंद्र में परिजनों से मिले थे। जहां से पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मैनेजर ने उन्हें कंपनी द्वारा नौकरी और आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया था।

आरोप है कि पिता के अंतिम संस्कार के बाद जब वह फैक्टरी पहुंचे तो मालिक राय सिंह मिलने के नाम पर तीन सप्ताह तक टालता रहा। बाद में लेबर वर्क की नौकरी देने की बात कही।

सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मृतक के परिजन की शिकायत पर फैक्टरी मालिक, मैनेजर व सुपरवाइजर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

एनजीटी ने नगर निगम पर 17 लाख से ज्यादा का जुर्माना लगाया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने खुले में कचरा डालने पर नगर निगम पर 17 लाख 45 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

यह रकम दो माह में उत्तर प्रदेश नियंत्रण बोर्ड को जमा करानी होगी। एक शिकायत पर एनजीटी ने यह आदेश दिया। लक्ष्मी नारायण नामक व्यक्ति ने एनजीटी में शिकायत की थी कि नगर निगम खुले में कचरा डाल रहा है। इससे दुर्गंध, वायु और जल प्रदूषण फैल रहा है।

कचरे से निकलने वाला पानी जमीन में जा रहा है और नालों में भी मिल रहा है। मृत जानवरों के फेंकने पर स्थिति और बिगड़ गई। शिकायतकर्ता ने जिला अधिकारी, नगर निगम और सरकारी पोर्टल पर शिकायत की। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हो सकी। इसके बाद पर्यावरण विभाग ने निरीक्षण किया।

इसमें पाया कि लगभग 40 टन कचरा खुले में पड़ा था। इस रिपोर्ट पर निगम ने एनजीटी में जवाब दिया। निगम ने बताया कि उन्होंने कचरा हटाया और नई जगह तलाश की जा रही है। एनजीटी ने पिछले दिनों निगम पर 17,45,000 रुपये का पर्यावरणीय जुर्माना लगाया।

यह रकम दो महीने के अंदर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जमा करानी होगी। यह रकम पर्यावरण को फिर से ठीक करने में इश्तेमाल किया जाएगा। एनजीटी ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नई जगह की जांच करने और नियमों के पालन की रिपोर्ट 15 जनवरी 2026 तक जमा करने को कहा है।

वन विभाग द्वारा ड्रोन कैमरे की मदद से जंगल में गुलदार को पकड़ने का प्रयास किया जारहा है

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

थाना क्षेत्र के गांव भिक्कवाला में गुलदार के हमले में मारी गई महिला पूनम देवी का शुक्रवार को पीएम होने के बाद गांव में शव पहुंचने पर परिजनों में कोहराम मच गया। वही वन विभाग द्वारा गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा दिया गया है। बृहस्पतिवार को पशुओं को चारा लेने गई पूनम देवी को गुलदार ने मौत के घाट उतार दिया था।

महिला की मौत हो जाने पर क्षेत्र के ग्रामीणों में भारी रोष है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आय दिन गुलदार किसानों के ऊपर हमला कर उन्हें घायल कर रहा है। वन विभाग द्वारा क्षेत्र में गश्त ना करने के दौरान लापरवाही बरतने से किसानों की मौत हो रही है। इससे पूर्व अफजलगढ़ नगर में एक महिला अल्का देवी को भी गुलदार ने हमला कर मौत के घाट उतार दिया था।

बृहस्पतिवार को गांव भिक्कावाला में पशुओं को चारा लेने गई महिला पूनम देवी को भी गुलदार ने अपना शिकार बना लिया। गुलदार अब तक दो महिलाओं की जान ले चुका है। आखिरकार वन विभाग कब तक यूं ही एक ओर गुलदार के हमले का इंतजार करता रहेगा।

वन विभाग द्वारा गुलदार को पकड़ने के लिए जंगल में ड्रोन कैमरे की मदद से पकड़ने का प्रयास शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वन विभाग द्वारा सिर्फ पिंजरा लगाकर अपनी जिम्मेदारी निभाने का काम किया जा रहा है।

अगर वन विभाग द्वारा क्षेत्र में लगातार गश्त किया जाएगा तो गुलदार के हमले से किसानों को बचाया जा सकता है। वहीं महिला पूनम देवी का कालागढ़ रामगंगा नदी के किनारे अंतिम संस्कार किया गया। उधर नगीना रेंजर प्रदीप शर्मा द्वारा बताया गया है कि जंगल में ड्रोन कैमरे की मदद से गुलदार को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है मौके पर ही पिंजरा लगा दिया गया है। वन विभाग की टीम क्षेत्र में लगातार गश्त कर रही है।

सचल न्यायालय मार्गदर्शन मे 38 वादों का मौके पर निस्तारण

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

नगर पालिका प्रांगण में हाईकोर्ट प्रयागराज के निर्देश पर उच्च न्यायालय, न्यायाधीश बिजनौर के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में ग्राम न्यायालय धामपुर के द्वारा एक दिवसीय सचल न्यायालय मार्गदर्शन का आयोजन किया गया जिसमें कुल 38 वादों का निश्तारण मौके पर किया गया तथा कुल 6,100/- रूपये की जुर्माना धनराशि वसूली गयी।

शुक्रवार को नगर पालिका अफजलगढ़ में आयोजित एक दिवसीय सचल न्यायालय मार्गदर्शन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ग्राम न्यायालय धामपुर के पीठासीन अधिकारी प्रद्युम्न कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि त्वरित,सुलभएवं सश्ता न्याय प्रदान करने के लिए समय-समय पर तहसील धामपुर के विभिन्न क्षेत्रों में सचल न्यायालय का संचालन होता रहेगा। उन्होंने कहा कि न्यायालय मार्गदर्शन सचल न्यायालय में भरण-पोषण के मुकदमे,घरेलू हिंसा के मुकदमे तथा आपराधिक वादों का निश्तारण सुलह समझौते तथा संस्वीकृति के माध्यम से त्वरित रूप से 38 वादों का निश्तारण मौके पर किया गया तथा कुल 6,100/- रूपये की जुर्माना धनराशि वसूली गयी। इस अवसर पर सुमित एडवोकेट, संजीव अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

रोडवेज बस स्टैंड बना कूड़े का ढेर कई लाख रुपए से तैयार स्टैंड

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर में स्थित रोडवेज बस स्टैंड की स्थिति चिंताजनक हो गई है। कई लाख

रुपए की लागत से बने इस बस स्टैंड का दुर्भाग्यपूर्ण हाल है।

स्टैंड के आस-पास कूड़े का अंबार लगा रहता है। बसें सड़क पर ही रुकती हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्टैंड परिसर में निजी वाहन खड़े किए जाते हैं।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत पूरे प्रदेश में स्वच्छता अभियान चल रहा है। सरकार लोगों को जागरूक करने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है।

लेकिन बस स्टैंड की दुर्दशा इस अभियान पर सवाल खड़े करती है। आसपास के लोग भी यहां कूड़ा फेंक रहे हैं।

बस स्टैंड की देखरेख के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। विभागीय अधिकारियों ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया है। स्थानीय लोगों को इस सुविधा का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। कूड़े के ढेर से फैली गंदगी से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

पूर्व पति के परिवार के लोगों ने घर में घुसकर हमला किया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गांव तुराबनगर में पंचायत के फरमान को दरकिनार करते हुए 8 साल बाद घर लोट प्रेमी युगल दंपत्ति को देखकर पूर्व पति के परिवार के लोगों ने घर में घुसकर हमला कर दिया। जिसमें गुलशन सहित तीन लोग घायल हो गए।

घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से दो की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रैफर किया गया है। हुई घटना को लेकर दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ आरोप प्रत्यारोप लगाते हुए तहरीर दी है।

जानकारी के अनुसार नहटौर क्षेत्र के गांव तुराबनगर में शुक्रवार की सुबह करीब 10:00 बजे दो पक्षों के बीच पुराने मामले को लेकर मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान अफरा तफरी मच गई। पूर्व प्रधान अबरार अंसारी की बाईक तोड़ दी गई और गुलशन पत्नी शादाब आलम, सदब पुत्री शादाब आलम व शादाब की मां हाशमी घायल हो गए। घायलों को नहटौर सीएचसी में भर्ती कराया।

जहां से गुलशन व सदब को जिला अस्पताल रैफर किया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक करीब 8 वर्ष पूर्व शराफत की पत्नी गुलशन प्रेम प्रसंग के चलते शादाब आलम के साथ चली गई थी। इसके बाद गांव में पंचायत हुई और शराफत ने गुलशन को तलाक दे दिया था। गुलशन ने शादाब आलम से निकाह कर लिया। पंचायत में फैसला हुआ कि गुलशन व शादाब गांव में नहीं रहेंगे। वह उस समय गांव से चले गए थे। 8 वर्ष बाद करीब 10 दिन पूर्व गुलशन व शादाब आलम गांव तुरबनगर लौट आए थे। जिसको लेकर शुक्रवार को शराफत पक्ष ने उनके गांव लौटने का विरोध किया था और इसी मामले को लेकर दोबारा से शुक्रवार को पंचायत होने जा रही थी।

आरोप है कि इसी दौरान शराफत पक्ष ने उनके घर में घुसकर मारपीट कर दी। मारपीट में गुलशन उसकी पुत्री सदब,सास हाशमी घायल हो गई। घायलों को नहटौर सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से गुलशन व सदब को जिला अस्पताल रैफर किया गया है।

उधर दूसरे पक्ष ने भी आरोप प्रत्यारोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है।थाना अध्यक्ष धीरज नागर का कहना है कि मामले की तहरीर प्राप्त हो चुकी है और मामले की जांच की जा रही है।

बहन भाई के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का शुभ मुहूर्त

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

हर वर्ष सावन पूर्णिमा के दिन रक्षा बंधन का त्योहार बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के आने का भाई और बहन बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस शुभ अवसर पर बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और लंबी उम्र की कामना करती हैं और भाई उपहार देता है। यह पर्व भाई-बहन के बीच प्रेम को बढ़ावा देता है।

रक्षा करने या करवाने के लिए बांधा जाने वाला पवित्र धागा रक्षाबंधन कहलाता है।. यह पवित्र पर्व श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाता है, जो इस बार 9 अगश्त को है।. रक्षाबंधन के दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधती हैं और भाई बहनों को जीवनभर उनकी रक्षा का वचन देते हैं।

राजसूय यज्ञ के समय श्रीकृष्ण को द्रौपदी ने भी रक्षासूत्र रूप में अपने आंचल का टुकड़ा बांधा था।. इसी के बाद से बहनों द्वारा भाई को राखी बांधने की परंपरा शुरू हो गई।

सावन पूर्णिमा के दिन सुबह स्नान करने के बाद भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करें।

दीपक जलाकर आरती करें। इसके बाद गरीब लोगों या मंदिर में दूध, दही, चावल और चीनी समेत आदि चीजों का दान करें।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से कुंडली में चंद्रमा और शुक्र मजबूत होता है और सुख, समृद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही शुभ फल की प्राप्ति होती है।

सावन पूर्णिमा की तिथि की शुरुआत- 08 अगश्त को दोपहर 02 बजकर 12 मिनट पर सावन पूर्णिमा की तिथि का समापन- 09 अगश्त को 01 बजकर 24 मिनट पर ऐसे में 09 अगश्त को रक्षा बंधन का पर्व मनाया जाएगा।

09 अगश्त को राखी बांधने का सही समय सुबह 05 बजकर 21 मिनट से 01 बजकर दोपहर 24 मिनट तक है। 08 अगश्त को भद्रा की शुरुआत 02 बजकर 12 मिनट से होगी। वहीं, इसका समापन 09 अगश्त को देर रात 01 बजकर 52 मिनट पर होगा। इसलिए अगले दिन यानी 09 अगश्त को रक्षा बंधन मनाया जाएगा।

हर साल रक्षाबंधन पर भद्र का साया रहता है लेकिन पूरे 4 वर्ष बाद इस बार ऐसे संयोग बन रहा है कि 9 अगश्त को भद्रा का साया नहीं रहेगा. दरअसल, भद्रा का साया इस बार 8 अगश्त को दोपहर 2 बजकर 12 मिनट पर शुरू होगी और इसका समापन 9 अगश्त को तड़के 1 बजकर 52 मिनट पर होगा। इसके बाद ही राखी बांधी जाएगी।

गांगन नदी का जलस्तर बढ़ने पर एसडीएम ने कई गांव का दौरा किया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

लगातार हो रही बारिश के चलते गांगन नदी का जलश्तर बढ़ने पर कई गांवो में गांगन नदी का पानी घुस जाने पर एसडीएम धामपुर रितु रानी ने बाढ़ग्रश्त इलाकों का दौरा किया।एसडीएम ट्रैक्टर ट्राली में बैठकर गांव तक पहुंची और राहत सामग्री वितरण करने के लिए दिशा निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार नहटौर क्षेत्र में गांगन नदी का जलश्तर बढ़ने पर गांगन का पानी गांगन नदी के किनारे बसे फिरोजपुर, मंडौरी, टपरोला, मुस्सेपुर, जसमोरा, अकबरपुर, सिजौली, हरगनपुर, सहानपुर नवादा आदि में पानी घुस गया। पानी घरों में घुसने पर ग्रामीणों ने रात जागकर बिताई। शुक्रवार की दोपहर को एसडीएम धामपुर रितु रानी,बीडीओ प्रताप सिंह, चिकित्सा अधिकारी आशीष आर्य ने बाढ़ग्रश्त इलाकों का दौरा किया। बाढ़ग्रश्त गांव सिजौली,सहानपुर नवादा, हरगनपुर में एसडीएम ट्रैक्टर ट्राली में बैठकर गांव तक पहुंची और ग्रामीणों से जानकारी ली। एसडीएम रितु रानी ने ग्रामीणों को अपने बच्चों को पानी की ओर नहीं जाने के लिए निर्देशित किया।इसके अलावा राहत सामग्री वितरण करने के लिए दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर कानूनगो ओमवीर सिंह, लेखपाल ब्रह्म सिंह रवि, विपिन कुमार,प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

नहटौर। गांगन नदी के पुल के पास तटबंध टूटने पर कराए जा रहे कार्य का एसडीएम ने पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया और सिंचाई विभाग को जल्द से जल्द तटबंध को सही करने के लिए दिशा निर्देश दिए। नहटौर मे गांगन नदी का पानी मोहल्ला छापेग्रान में पहुंचने पर ट्रांसफार्मर तक पानी पहुंचने पर पिछले चार दिनों से विद्युत आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। जिसको लेकर मोहल्लेवासी परेशान है।

नहटौर।गांगन नदी का पानी नहटौर के मोहल्ला छापेग्रान के अलावा नेजो सराय व नौधा के कुछ हिस्सों में भी पानी पहुंच गया है। फिलहाल गांगन नदी के जलश्तर में कुछ कमी देखने को मिली है।

नहटौर गांगन नदी का जलश्तर बढ़ने के दौरान पानी गांवो में घुसने पर किसानों के सामने चारे की समस्या पैदा हो गई है। जलभराव होने पर जंगल से चारा नहीं ला पा रहे हैं।

दफ्तर के केबिन से चार लाख रुपये गायब, कर्मचारी पर केस

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

नगर कोतवाली क्षेत्र में कर्मचारी द्वारा मालिक के केबिन में रखे चार लाख रुपये चोरी करने का मामला सामने आया है। घटना के संबंध में पीड़ित ने नगर कोतवाली में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि आरोपी कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

अशोक नगर में रहने वाले मिंटू भाटी का कहना है चौधरी मोड़ स्थित शिवा टावर में उनका दफ्तर है। उनके यहां काम करने वाले कर्मचारी मनोज उपाध्याय निवासी अशोक नगर ने उनके केबिन में रखे चार लाख रुपये चोरी कर लिए। 14 जुलाई को उन्होंने कार्यालय जाकर लॉकर खोला तो नोटों से भरा लिफाफा गायब देख घटना का पता चला।

मिंटू भाटी के मुताबिक उनके केबिन में उनके अलावा सिर्फ और सिर्फ मनोज उपाध्याय को जाने की इजाजत थी। क्योंकि उनके केबिन के मंदिर में ज्योत की देख-रेख कई वर्षों से मनोज उपाध्याय ही करता आ रहा था। इसके अलावा चार लाख रुपये चोरी करने की बात मनोज ने भी स्वीकर कर ली थी। मिंटू भाटी के मुताबिक उन्होंने 14 जुलाई को ही मॉडल टॉउन चौकी में शिकायत दे दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। थक-हारकर उन्होंने सात अगश्त को नगर कोतवाली में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

संपादकीय

मणिपुर से बंगाल तक अस्तित्व की लड़ाई

आयोग ने पश्चिमी बंगाल सरकार से आग्रह किया है कि इन अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई की जाए। लेकिन ममता बनर्जी इसे बंगला भाषा पर प्रहार बता रही हैं और उसने इन कर्मचारियों की रक्षा करने का अपना संकल्प दोहराया है। इतना ही नहीं, जब हरियाणा इत्यादि अन्य प्रदेशों में वहां की सरकारें अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ कदम उठाती हैं तो बंगाल सरकार इसे बंगालियों के खिलाफ चलाया जाने वाला अभियान बताने लगती हैं।

यदि पुलिस रपटों को आधार बनाया जाए तो बहुत से बांग्लादेशी गिरोह भारत में आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं। उच्चतम न्यायालय अनेक बार कह चुका है कि अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से विपक्षी दल वोट की राजनीति के चक्कर में देश के नागरिकों के हितों को प्राथमिकता न देते हुए सत्ता हथियाने की जल्दी में बांग्लादेशियों को बैसाखियों के तौर पर इश्तेमाल कर रहा है...

मणिपुर के विभिन्न समुदायों में आपसी संवाद की संभावनाएं काफ़ी देर से तलाशी जा रही थीं। इन्हीं संभावनाओं में से मणिपुर में स्थायी शांति की स्थापना हो सकती है। मणिपुर में मोटे तौर पर तीन समुदाय रहते हैं, मैतेयी, थादौ और तांखुल। संख्या के लिहाज से मैतेयी सबसे ज्यादा हैं और उसके बाद थादौ और तांखुल की बारी आती है। मैतेयी समुदाय के लोग मैदानी इलाकों में रहते हैं और शेष दो समुदाय पहाड़ों में बसते हैं, इसलिए उन्हें पहाड़ी भी कहा जाता है। थादौ और तांखुल के अतिरिक्त पच्चीस-तीस अन्य छोटे छोटे समुदाय भी हैं, लेकिन उनकी संख्या कम होने के कारण वे थादौ या तांखुल के केन्द्र के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। फिलहाल मणिपुर में जो विवाद पिछले एक-दो साल से चल रहा है, उसका ताल्लुक थादौ और मैतेयी समुदाय से है, तांखुल का उससे कुछ लेना देना नहीं है। इससे पहले जब भी मणिपुर में विवाद होता था, वह थादौ और तांखुल के बीच में ही होता था। उससे मैतेयी का कुछ लेना-देना नहीं होता था। पिछले दिनों कुछ सीमा तक सरकार के प्रयासों से और कुछ सीमा तक इन दोनों समुदायों के आपसी प्रयासों से, मैतेयी और थादौ बातचीत के लिए सांझे मंच पर मिलने के लिए तैयार हुए हैं। इसका श्रेय थादौ समुदाय के युवा नेतृत्व को दिया जाना चाहिए। थादौ समुदाय पिछले कुछ साल से उस उपनिवेशवाद जकड़न से मुक्त होने का प्रयास कर रहा था जिसके चलते मणिपुर में विभिन्न समुदायों में विवाद चलता रहता है।

ब्रिटिश राज के दिनों में गोरे शासकों ने थादौ समुदाय की पहचान समाप्त कर, उसे कुछ दूसरे छोटे छोटे और जनसंख्या के लिहाज से नगण्य समुदायों के साथ नत्थी कर, उसकी ऐतिहासिक पहचान समाप्त करने की कोशिश की थी। इन सभी समुदायों को 'कुकी' नाम से नई पहचान दी गई और उसका इतिहास भी गढ़ा गया। इस कृत्रिम 'कुकी' समुदाय को नृविज्ञान के कारकों पर स्थापित कर उसे मैतेयी के खिलाफ खड़ा कर दिया गया। शुरू में तो ये समुदाय इस उपनिवेशवादी षड्यंत्र को पहचान नहीं पाए। कुकी समुदाय को लेकर ढेरों किताबें लिखी जाने लगीं। लेकिन समय रहते थादौ समुदाय के विद्वानों की गहरी नजर से यह षड्यंत्र छिपा न रह सका। कुकी की छाया में थादौ को ग्रहण लग रहा था। उसका इतिहास, उसके महापुरुषों और उनके देवी देवताओं के नाम गुम होते जा रहे थे। यह भी बहस होने लगी कि आखिर थादौ के स्थान पर उन्हें कुकी क्यों कहा जाने लगा है? लेकिन इन प्रश्नों का उनके पास कोई उत्तर नहीं था, जो कुकी शब्द का प्रयोग कर रहे थे। एक तर्क यह जरूर दिया जा रहा था कि इससे विभिन्न समुदायों में एकता स्थापित होती है। लेकिन नाम बदले बिना भी तो एकता हो सकती है। अपना नाम सुरक्षित रखने से एकता में बाधा होती है, यह अजीब तर्क था। लेकिन तथाकथित एकता की यह गाथा म्यांमार के चिन प्रांत तक फैला दी गई। मिजोरम को भी जुमी के नाम से इसमें शामिल कर लिया गया। कुकी का इतना बड़ा जाल बुनने के बाद उसमें ईसाइयत की छौंक लगा कर नया रणक्षेत्र तैयार किया गया। लेकिन धीरे धीरे थादौ समुदाय ने अपने अस्तित्व को लेकर बढ़ते इस खतरे को पहचान और इस जाल से बाहर निकलने का उपक्रम शुरू किया। मैतेयी और थादौ का संवाद इसी में से निकला है।

आशा की जानी चाहिए कि इससे मणिपुर में स्थायी शांति का राश्ता निकलेगा। दूसरा विषय बांग्लादेशियों का है। राहुल गांधी और ममता बनर्जी को छोड़कर इस देश में सभी जानते हैं कि बंगलादेश से लाखों लोग भारतवर्ष में गैर कानूनी रूप से घुसे हुए हैं। उनको इस देश में लाने और बसाने के लिए देवों व देशों में कुछ संगठित गिरोह काम करते हैं। सबसे पहला काम इन बांग्लादेशी नागरिकों के लिए राशन कार्ड बनाने, आधार कार्ड बनाने का होता है। यह काम पश्चिमी बंगाल में कुछ सरकारी अधिकारियों के साथ मिल कर किया जाता है। एक बार ये दश्तावेज बन जाते हैं, उसके बाद ये बांग्लादेशी देश भर में फैल जाते हैं। उसके बाद अपने अपने स्थान पर अपना वोट भी बनवा लेते हैं। अब सरकार इन अवैध तथाकथित नागरिकों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर निकालने की कोशिश कर रही है। उससे विपक्ष की चिंता बढ़ रही है। सबसे ज्यादा हल्ला बंगाल और बिहार को लेकर हो रहा है। लेकिन इन अवैध बांग्लादेशियों को लेकर विपक्ष ही चिंतित क्यों है। इसका एक ही कारण हो सकता है। विपक्ष को यह पक्का विश्वास है कि इस प्रकार के अवैध बांग्लादेशी चुनाव में कांग्रेस, टीएमसी या इस प्रकार के सहयोगी दलों को ही वोट देते हैं। पश्चिमी बंगाल में तो चुनाव आयोग ने कुछ ऐसे कर्मचारियों की पहचान भी की है जिन्होंने हैरानीजनक संख्या में इस प्रकार के दश्तावेज जारी किए हैं।

आयोग ने पश्चिमी बंगाल सरकार से आग्रह किया है कि इन अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई की जाए। लेकिन ममता बनर्जी इसे बंगला भाषा पर प्रहार बता रही हैं और उसने इन कर्मचारियों की रक्षा करने का अपना संकल्प दोहराया है। इतना ही नहीं, जब हरियाणा इत्यादि अन्य प्रदेशों में वहां की सरकारें अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ कदम उठाती हैं तो बंगाल सरकार इसे बंगालियों के खिलाफ चलाया जाने वाला अभियान बताने लगती हैं। यदि पुलिस रपटों को आधार बनाया जाए तो बहुत से बांग्लादेशी गिरोह भारत में आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं। उच्चतम न्यायालय अनेक बार कह चुका है कि अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से विपक्षी दल वोट की राजनीति के चक्कर में देश के नागरिकों के हितों को प्राथमिकता न देते हुए सत्ता हथियाने की जल्दी में बांग्लादेशियों को बैसाखियों के तौर पर इश्तेमाल कर रहा है। कांग्रेस ऐसा करती है, तो किसी को आश्चर्य नहीं होता क्योंकि कांग्रेस केवल सोनिया गांधी परिवार के भीतर सिमट कर रह गई है, लेकिन इस मामले में ममता बनर्जी का व्यवहार चिंतित करता है। यह प्रश्न बंगला संस्कृति और भाषा का प्रश्न है, क्या ममता बनर्जी चाहती हैं कि बंगलादेश उसको सोख ले? सत्ता के लिए यह बहुत घटिया खेल ही कहा जाएगा।

एक हथिनी 'माधुरी' के बहाने धर्म का पुनर्पाठ

स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

नांदणी जैन मठ की गजलक्ष्मी हथिनी माधुरी, जो 35 वर्षों से मठ की सेवा में थी, को पेटा की याचिका पर जामनगर भेजा गया था, जिससे जैन समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची थी। न केवल महाराष्ट्र में बल्कि समूचे जैन समाज में आक्रोश को देखते हुए महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने इसमें दखल दिया और उसकी पहल पर याचिका दायर करने और आपराधिक मामलों को वापस लेने की घोषणा के साथ माधुरी की घर वापसी संभव हो गई है।

निश्चित ही यह फडणवीस सरकार का एक संवेदनशील एवं सूझबूझभरा निर्णय है, जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। क्योंकि माधुरी, नांदणी जैन मठ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी और जैन समुदाय की भक्ति और समर्पण का प्रतीक थी।

"मैं कोई साधारण प्राणी नहीं। मैं उन हजारों श्रद्धालुओं की भावनाओं का मूर्तरूप हूं, जिन्होंने मुझे केवल देखा नहीं, बल्कि पूजा है। मेरा नाम 'माधुरी' है, पर मैं नाम से कहीं अधिक हूं। मैं उस मठ की चुप्पी में गूंजती प्रार्थना हूं, जहां मैंने 35 वर्षों तक सेवा, संयम और संस्कृति की छाया में सांस ली।" यदि 'माधुरी' बोल सकती, तो शायद यही कहती, क्योंकि उसका मौन, उसका निर्विकार भाव, उसके नेत्रों में बसी करुणा, इन सबने वर्षों तक नांदणी जैन मठ को जीवंत रखा। वह एक जीव नहीं, धर्म की आत्मा बनकर असंख्य श्रद्धालुओं की संवेदनाओं, आस्था एवं भक्ति से जुड़ी थी

नांदणी जैन मठ की यह गजलक्ष्मी हथिनी केवल एक वन्य प्राणी नहीं थी, वह जैन धर्म में "जीव मात्र के प्रति करुणा" के अमूल्य सिद्धांत का सजीव प्रतीक थी। उसका मठ में रहना, उसका पूजन, उसकी सेवा, यह सब किसी हिंसक बंधन का परिणाम नहीं था, बल्कि धार्मिक समर्पण की अभिव्यक्ति थी। पेटा जैसी संस्थाएं केवल जीव के शरीर को देखती हैं, उसकी आत्मा, उसके सांस्कृतिक स्थान और परंपरा में निहित गरिमा को नहीं। यही कारण था कि उसकी जबरन वनतारा में रवानगी केवल एक स्थानांतरण नहीं, बल्कि धर्म के हृदय पर आघात था।

माधुरी प्रकरण ने एक जटिल प्रश्न को जन्म दिया, क्या धर्म अब भी स्वतंत्र है, या वह राजनीतिक और कानूनी भूलभुलैया में उलझ चुका है? क्या जीवों की सेवा और उनके साथ प्रेम का संबंध, कानून की अंधी परिभाषाओं से परे नहीं देखा जा सकता? राजनीतिक हश्तक्षेप ने बार-बार धर्म की गरिमा को चुनौती दी है। परंतु इस बार महाराष्ट्र सरकार, विशेषतः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने जो निर्णय लिया, वह सराहनीय, साहसी और धर्म-समभाव से प्रेरित प्रतीत होता है। सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका, दर्ज प्रकरणों की वापसी की घोषणा, ये निर्णय केवल न्यायिक नहीं, आध्यात्मिक चेतना से प्रेरित प्रतीत होते हैं।

जैन धर्म का मूल आधार है "पर्यावरण के साथ सह-अशितत्व" और "जीवों के प्रति अहिंसक व्यवहार"। यह दर्शन मात्र प्रवचनों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवनचर्या का अंग है। माधुरी उसी जीवनचर्या की प्रतिछाया थी। उसकी देखभाल, सेवा, पूजा-इन सबके माध्यम से नांदणी मठ ने पीढ़ियों को यह सिखाया कि एक जीव के साथ कैसा प्रेममय आत्मीय रिश्ता हो सकता है। जब उसे वनतारा ले जाया गया, तो यह केवल एक हथिनी का मठ छोड़ना नहीं था, बल्कि पर्यावरण-धर्म की एक जीवित पाठशाला का अवसान था।

जिस समाज ने माधुरी को देवीतुल्य सम्मान दिया, वह समाज उसके हरण को केवल कानूनी आदेश नहीं मान सकता था। यह जनआस्था की, सामूहिक करुणा की और धार्मिक सम्मान की सामूहिक पराजय थी। परंतु अब, जब पुनः माधुरी की वापसी की संभावना जीवित हुई है, तो यह धर्म और न्याय की संयुक्त विजय है। माधुरी केवल एक हथिनी नहीं, वह मठ की आत्मा की भौतिक अभिव्यक्ति है, यही इस समूचे विमर्श का सार है। यह केवल माधुरी की

वापसी की बात नहीं, बल्कि उस सम्मान की पुनर्स्थापना है जो सेवा, करुणा और जीवदया में निहित है।

वर्तमान युग में सरकारों का धार्मिक मामलों में संवेदनशीलता दिखाना दुर्लभ है। परंतु फडणवीस सरकार का यह निर्णय दर्शाता है कि जब शासन तंत्र, न्याय प्रणाली और धार्मिक समुदाय मिलकर कार्य करें, तो न्याय और श्रद्धा का नया युग संभव है। सरकार द्वारा इस प्रकरण में आयोजित अति संवेदनशील बैठक में जहां विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, मैं भी इस बैठक का हिस्सा बना। निश्चित ही बैठक में राज्य सरकार का यह प्रयास एवं निर्णय की सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका और प्रकरण वापसी की घोषणा, एक संवेदनशील लोकतंत्र की परिपक्व पहचान है। यह दर्शाता है कि सरकार न केवल कानून का पालन करती है, बल्कि समाज की आत्मा की धड़कन भी सुनती है।

अब सरकार के प्रयासों से जब माधुरी मठ लौटेगी, तो वह अकेली नहीं होगी। उसके साथ लौटेगा धर्म का सम्मान, श्रद्धा का पुनर्निर्माण, करुणा का पुनराविष्कार और पर्यावरण के साथ संतुलित सह-अशितत्व की प्रेरणा। वह लौटेगी तो धर्म केवल ग्रंथों में नहीं, जीवन में दिखाई देगा। वह लौटेगी तो हर जैन मठ, हर मंदिर, हर जीवात्मा को यह भरोसा मिलेगा कि श्रद्धा और न्याय को कुछ समय के लिए विलंबित किया जा सकता है, पर पराजित नहीं।"

माधुरी की वापसी केवल एक हथिनी की वापसी नहीं, वह समूचे मानवता की संवेदना की विजय है। महाराष्ट्र सरकार अपने इस निर्णय के लिए धन्यवाद की पात्र है। धन्यवाद के पात्र वे भी हैं जिन्होंने माधुरी की करुण पुकार को न्याय में परिवर्तित करने का यत्न किया। माधुरी का सम्मान और धर्म का योगदान केवल किसी एक जीव के प्रति सहानुभूति का विषय नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की संवेदनाओं की कसौटी है। राजनीति को यदि जनभावनाओं की सच्ची प्रतिनिधि बनना है, तो उसे केवल वोट और शक्ति के गणित से नहीं, बल्कि समाज की आत्मा से संवाद करना होगा।

माधुरी प्रकरण में महाराष्ट्र सरकार ने जिस तरह धार्मिक अस्मिता और जनसंवेदनाओं का सम्मान करते हुए न्यायोचित हश्तक्षेप किया, वह एक अनुकरणीय दृष्टिकोण है, जिसमें धर्म को न राजनीति का उपकरण बनाया गया और न उपेक्षा की गई, बल्कि उसे संवेदना और संस्कृति की धुरी मानकर संजोया गया। यही वह राह है, जिससे राजनीति जनसेवा और धर्म, जनमानस की आत्मा बन सकते हैं।

जैन धर्म का मूल आधार अहिंसा है, पर यह अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा से दूर रहने तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के प्रति करुणा, संवेदना और सेवा भाव की गहन जीवनशैली है। जैन आचार्य और तपस्वियों ने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि जीव मात्र में आत्मा है, और प्रत्येक आत्मा पूज्य है। यही कारण है कि जैन मुनि पांव में चप्पल नहीं पहनते, चलते समय झाड़ू से मार्ग बुहारते हैं ताकि कोई सूक्ष्म जीव भी अनजाने में आहत न हो।

इतिहास में ऐसे असंख्य प्रसंग मिलते हैं जब राजाओं ने भी जैन धर्म के प्रभाव में आकर हिंसा का त्याग किया और जीवदया के लिए गोशालाएं, पक्षीचिकित्सालय और जलाशय बनवाए। भगवान महावीर का संपूर्ण जीवन जीवों के प्रति करुणा का आदर्श है, उन्होंने कहा, सव्वे पाणो पियायरा यानी सभी प्राणी प्रिय हैं। यही भाव आगे चलकर जैन समाज की सामाजिक संरचना में गहराई से समाहित हो गया। आज भी जैन धर्म के अनुयायी जीवों के कल्याण के लिए सेवा प्रकल्पों में अग्रणी हैं, चाहे वह बीमार पक्षियों के लिए चिकित्सालय हों, घायल जानवरों के लिए रेस्क्यू सेंटर हों, या निराश्रित पशुओं के लिए आश्रय स्थल।

"माधुरी" जैसी एक हथिनी का मठ में पूज्य स्थान पाना, उसकी सेवा और सुरक्षा में समाज का समर्पण, यही तो जीवदया की उस परंपरा का जीवंत प्रमाण है जो अतीत से वर्तमान तक निरंतर बहती रही है। जैन धर्म का यह दृष्टिकोण हमें केवल मनुष्यों से प्रेम नहीं सिखाता, बल्कि सृष्टि के हर कण में बसते जीवन के प्रति करुणा का भाव विकसित करता है। यही करुणा, यही संवेदना धर्म को जीवंत बनाती है और मानवता को दिव्यता की ओर ले जाती है।

संस्थान में लालच से नहीं ईमानदारी से काम करें

संजय गोस्वामी

यदि हम किसी संस्थान में काम करते हैं तो ईमानदारी जरुरी है आज हमें अपने बारे में नहीं संस्थान के बारे में सोचना चाहिए किसी भी चीज को तोड़ना आसान होता है।

जोड़ना मुश्किल इसी तरह की एक घटना मेरे आँखों के सामने घटी जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है बात करता हूँ एक संस्थान जो चैरीबल संस्था थी उसमें पहले सरकार से हिंदी में विज्ञान के प्रचार हेतु अच्छा फंड मिलता था जो अब बन्द होने के कगार पर है ऐसे तो सरकारी संस्था विज्ञान प्रसार तो बन्द हो गई लेकिन हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद अभी जिन्दा है लेकिन हैंगिंग अवस्था में है।

इसमें दो गुट बन गए जो दुर्भाग्यपूर्ण है दरअसल 2021 में कोरोना का संकट आया और परिषद के साथ एक लोकल इंजीनियरिंग कॉलेज की संस्था विवेकानंद मॅनॅग्मेंट कॉलेज, चेम्बूर से एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन होना था जो बन्द हो गया लेकिन उसकी पुरी तैयारी कर ली गई बाद में सचिव ने कोषाध्यक्ष से क़ोई चेक ले लिया और ख़र्ज कर देने का दावा किया और जो बैग आनेवाला था वो आ गया ऐसा बताया गया लेकिन कोषाध्यक्ष ने बाद में बैग को देखने की इच्छा जताई लेकिन यह कहकर की बैग को डिस्पोजल कर दिया।

इसपर कोषाध्यक्ष को पैसा गमन करने का आरोप लगाया और दोनों में काफी खींचातानी हुई हालांकि उनका रुख मेरे प्रति एक जगह काम करने से काफी नरम रहा लेकिन उन्होंने इस हेतु ऑनलाइन आमसभा बुलाई और उसमें अधिकतर लोगों ने यह मान ली की बैग डिस्पोजल हो गया उधर एक अलग ही ड्रामा चालू हुआ कि अगले चुनाव में अध्यक्ष के लिए खड़ा होंगे अगले चुनाव में लेकिन लोगों ने समझाया भाई बहुत साल तक आप परिषद में हैं अतः आप ख़ुशी ख़ुशी निकल जाए और दूसरों को मौका दें दरअसल परिषद में लोगों को आने जाने और बड़े बड़े लोगों के साथ बैठने में दिलचस्पी हुई और अब ऐसी स्थिति आई कि एक पद के लिए दो क्या दो से अधिक उम्मीदवार ने नामांकन भरा और बाद में आम सभा में 2016 में पहली बार चुनाव हुए और उस चुनाव में एक कोषाध्यक्ष थे जो तीन टर्म तक थे एक सचिव के लिए जो खड़े थे उन्होंने उसकी भरी सभा में बेइज्जती की कहा आप 2या तीन टर्म तक रहें हैं।

अतः आप उसी पद के लिए नहीं खड़ा हों लेकिन उन्होंने नहीं सुना, और चुनाव अधिकारी ने भी देखते हुए कहा आप तीन बार खड़ा हों चूंके हैं अतः आप नहीं हों सकते लेकिन चुनाव अधिकारी के साथ मुझे आमसभा ने मदद करने को कहा उस समय मैंने चुपके से कहा की चुनाव अधिकारी जी कहने से नहीं होता सबूत के आधार पर फैसला होता है तभी उन्होंने अपनी कुर्सी का महत्व समझते हुए उन्होंने उनसे सबूत माँगा और अचानक सबूत जुटाना मुश्किल था।

क्योंकि उसे कहाँ पता था कि इतनी जल्दी क़ोई सबूत भी मांग लेंगे और आमसभा ने चुनाव अधिकारी के फैसला को सही मानते हुए उसे चुनाव में खड़ा होने की अनुमति दि बाद में मुझे लगा उनकी संख्या बल कमजोर है क्योंकि जो सचिव के लिए खड़ा होने वाले थे वो उस उम्मीदवार का समर्थन कर दिया जिसने उनके खिलाफ कोषाध्यक्ष के खड़ा होने पर सवाल उठा दिए थे और फिर जैसे तैसे लास्ट मिनट में एक मित्र आया और उनके पक्ष में वोट कर दिया और मैच हों गया टाई अब वहाँ अध्यक्ष को निर्णय लेना था वो किसे चुनता है।

बाद में अध्यक्ष ने कोषाध्यक्ष को अपना समर्थन दिया और पुनः कोषाध्यक्ष बने लेकिन जिसने आम सभा में उसके खिलाफ खुब गरजा वो सचिव के लिए चुना गया और परिषद में दो फाड़ हो गए और कार्यकाल कुल मिलाकर बहुत कष्टदायक रहा क्योंकि जहाँ कलह होती है समझ ले उसका पतन होना तय है बाद में रायपुर में परिषद द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ तो उनका नाम ही उड़ा दिया।

तब उनको गुस्सा आया और चुनाव की तैयारी में जुट गए बाद में जब अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष में बबाल हुआ तो किसी के बदले उन्हें जाने का मौका मिला मुझे भी पूछा गया लेकिन अपनी इज्जत को समझते हुए हमने नाम वापस ले लिया क्योंकि कुछ दिन पहले ही एक वैज्ञानिक पत्रिका को लेकर व्यवस्थापक का नाम नहीं

से सचिव ने डिस्पैच करने से रोक दिया फिर एक महानुभाव जो व्यवस्थापक भी थे संपादक में भी नाम जुड़वा लिया और जबकी नया व्यवस्थापक की नियुक्ति हुई थी बाद में दोनों में क्या बात हुआ मैंने व्यवस्थापक मंडल के सदस्य होने के नाते डिस्पैच की अनुमति मांगी क्योंकि वेंडर बहुत दिनों तक घर पर नहीं रख सकता था।

अतः हमने डिस्पैच को लेकर व्यवस्थापक से क्लियर करा लिया यह बात सचिव महोदय डॉ कुलवंत जी को इतना खराब लगा कि उन्होंने हरामी शब्द का प्रयोग कर दिया तब मैंने इश्तीफा की पेशकश की और अध्यक्ष ने कहा हमने खुब डांटा सही कहा या गलत इसका निर्णय के लिए गुरुगोविन्द सिंह जी ने सोने के समय अंतरआत्मा को जगाया की तुरंत मीटिंग में जाओ और वहाँ पता लग जायेगा कि हकीकत में उसने तुमसे झुठ बोला हैं।

जैसे ही अध्यक्ष महोदय मिश्रा जी ने अध्यक्षता की तो मेरे मन से हमने नहीं गुरु जी ने अंदर से पूरा डर निकाल दिया और उसको उसने खुब सुनाया गुरूजी बार बार सपने में आते और कहते उसका दिन जब ख़त्म होगा तब तुम्हे न्याय मिलेगा और जब 2018 में चुनाव की तारीख तय हुई तो एक नया नियम आ गया कि क़ोई भी उम्मीदवार खास पदों के लिए दो बार से अधिक नहीं खड़ा हो सकता हैं।

तब कोषाध्यक्ष ने सचिव पद पर उम्मीदवारी के लिए नामांकन कर दिया जो उसके लिए अपनी योग्यता के बल पर पात्र नहीं था और मैंने कहा चुनाव जितना है तो मेहनत करना होगा और अपनी गाड़ी से सब जगह सदस्यों के पास एक मित्र के साथ सबसे मिलने गया फिर भी मुझे यकीन नहीं था कि चुनाव में उसे जीत मिलेगी लेकिन उस रात गुरूजी ने सपने में दिखा दिया जीत पक्की है क्योंकि उसका घमंड मुझे तोड़ना है और सुबह ईश्वर की ऐसी मर्जी हुई जिसे नहीं भी बुलाया था।

वो भी वोट देने फेवर में आ गए और बाद में वह सज्जन 35 वोट से हार गया और टीम की जीत हुई लेकिन पूर्व सचिव महोदय बहुत मुश्किल से सदस्य में निचले पैदान में आए और घमंड टुटा और इस तरह परिषद 2920 तक अच्छे से चली उसके बाद चुनाव के लिए पूर्व सचिव ने परिषद पर प्रेशर बनाया और कोरोना आ गया जब चुनाव आने वाले थे बाद में वही कोरोना काल में बैग पर जो आपत्ति हुई उसको लेकर उस समय के सचिव अपने लोगों से हट कर सेवानिवृत होने के बाद भी अध्यक्ष पद के लिए खड़ा हुए कोरोना को देखते हुए चुनाव पर रोक का नोटिफिकेशन आया लेकिन चुनाव अधिकारी उसके खास थे।

उन्होंने कुछ भी नहीं सुना और सारे नियम क़ानून को हाथ में लेते हुए अध्यक्ष पद हेतु जो उम्मीदवार उसके खिलाफ खड़ा था उसका बाईपास सर्जरी होना था।

मैं ही पहला बन्दा था कि रोकने के लिए कहा क्योंकि ऐ संदेश भी मुझे गुरूजी ही ने दिए थे क्योंकि मानवता से बड़ा क़ोई धर्म नहीं होता अतः अस्पताल में एक तरफ ऑपरेशन में जिंदगी और मौत से क़ोई जूझ रहा हो और उसे पल पल की खबर मिल रही थी उसके दिल पर क्या गुजरी होगी वह वही जनता होगा।

लेकिन बीमारी का फायदा उठाकर उसने जो वैलेट पेपर बनाए थे उसे बाहर ही रखा जो नियमानुसार वह उसका मत पत्र होता है उसे पता नहीं किसने बाहर रखने की अक्ल दि जिसने व्हाट्सप्प को एक अश्लील पोस्ट करना चालू रखा और लोगों पर खुद ही अमर्यादित होने का हकीकत भी दिखा दि चुनाव में कोविड नियम को जानते हुए और डिपार्टमेंट द्वारा रोक के बाबजूद नहीं माना और चुनाव भी बीमार उम्मीदवार की गैर हजारी में हुआ।

अतः डिपार्टमेंट ने मान्यता नहीं दि क्योंकि वह चैयरिटी कमीशनर के दायरे में आता है और फिर डिपार्टमेंट ने इससे किनारा कर लिया और जो सचिव ने त्यागपत्र ईमेल से दिए थे।

उन्होंने बड़ी चालाकी से हैंडओवर मीटिंग बुला लीं मुझे भी वहाँ जाने का खुब प्रलोभन मिला लेकिन मेरे गुरूजी ने मुझे बिल्कुल मना कर दिए और जब मैं टस से मस नहीं हुआ तो उसने मेरे बालकोनी में बैग रखने का आरोप लगा दिया और मैं खुब खुलकर लिखा तब गलती का अहसास हुआ औऱ माफी मांगी उसके बाद परिषद में सभी अपना अपना पोस्ट पकड़ लिए और मेरे गाड़ी में प्रशन मंच का एक पूरा अटैची मेरे गाड़ी में पड़ा रहा बाद में अनाधिकृत तरीके से छल से मिश्राजी को यह बताया कि मैं खड़ा हो रहा हूँ।

आप मत खड़ा हो क्योंकि उसे भी उसकी ताकत का अंदाज था और इसतरह वह बिना चुनाव को चुन लिए गए लेकिन प्रस यह है कि किसने चुना चुनाव अधिकारी सिर्फ चुनाव के लिए मान्य होता है ना की बिना वोट वाले उम्मीदवार को चुन सकता है।

यह अधिकार सिर्फ आम सभा को है जो बुलाया ही नहीं गया इसतरह परिषद का सत्यनाश हो गया क्योंकि उसके बाद जो उनके विरोध में कमिटी बनी क़ोई खास काम नहीं किआ हाँ इतना जरूर किया खाता सील हो गया अब,3 साल बाद फिर नई कार्यकारिणी के लिए मुश्किल से एक ग्रुप बना।

लेकिन क़ोई खास प्रगति देखने को नहीं मिल रही अतः अब सिर्फ व्हाट्सप्प चल रहा है क़ोई खोल कर देखता भी नहीं है क्योंकि खाता फ्रीज़ होने के बाद कौन अपनी जेब से पैसा लगाऐगा अतः सभी हिंदी प्रेमियों इसका साथ दें।

दुनिया का दादा क्यों फोड़ रहा है टैरिफ के सुतली बम?

वर्षा भम्भाणी मिर्ज़ा

ट्रम्प की ख़ब्त का कोई ओर-छोर नहीं है। जिस टैरिफ को वे एटम बम बता कर फोड़ते हैं उसकी ताकत सुतली बम से ज़्यादा की न हो क्योंकि इसके पहले मैक्सिको और कनाडा को वे अपना 51वां राज्य बनाने का मंसूबा भी ज़ाहिर कर चुके हैं। फिर उनका ग्रीनलैंड ख़रीदने का मन भी बन गया था। डेनमार्क के डेनिश साम्राज्य के तहत ही ग्रीनलैंड एक स्वतंत्र द्वीप है और इसके नागरिकों ने ही ट्रम्प को टका सा जवाब दे दिया था।

अपनी सनक में लिए गए फैसलों से हाहाकार मचा देने के आदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लाद दिया है। पहले 25 प्रतिशत की घोषणा के बाद अब 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ बतौर पैनल्टी इसलिए लगा दिया क्योंकि भारत ने रूस से तेल ख़रीदना (कुल 80 प्रतिशत आयात का 36 प्रतिशत) जारी रखा है; और रखेगा। इसके संकेत भी दे दिए। इसके उलट भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने तो यहां तक कह दिया कि अमेरिका भी तो रूस से यूरेनियम और खाद ख़रीदता है। यही सवाल जब अमेरिकी राष्ट्रपति से एक संवाददाता ने पूछा तो वे इसे सीधे ही टाल गए। 50 प्रतिशत टैरिफ पर विचार के लिए दुनिया के दादा ने भारत को तीन हफ़्तों का समय दिया है क्योंकि तब उनका एक दल ट्रेड डील पर बात करने के लिए भारत में होगा।

यह तो पता नहीं कि बातचीत क्या रुख लेगी, लेकिन अब भारत अमेरिका से पैनल्टी खाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। ऐसा तो ट्रम्प ने युद्ध सुलगाने वाले देशों के साथ भी नहीं किया। रूस और इजराइल के आगे अमेरिका की चाल ज़रा नहीं बदलती। विश्तारवादी चीन के आगे भी आंकड़ा 30 फ़ीसदी तक पहुंचा है। भारत के साथ केवल ब्राज़ील खड़ा है जिस पर भी 50 प्रतिशत वाला बम फोड़ा गया है। वहां के राष्ट्रपति लुला डी सिल्वा ने साफ़ कह दिया है कि ब्राज़ील व्यापार के नए अवसर तलाशेगा और अपने देश के उद्योगों को राहत देगा। उधर भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अभी रूस में हैं और जल्द ही विदेश मंत्री जयशंकर भी जाने वाले हैं। चीन के साथ भी भारत अपनी पॉलिसी शिफ्ट करता हुआ नज़र आ रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस माह के आख़रि में चीन जाएंगे। उनकी यह यात्रा पूरे सात साल बाद हो रही है। ऐसा क्यों हुआ कि 'अब की बार ट्रम्प सरकार' से मज़बूत हुई यह दोश्ती उस कग़ार पर पहुंच गई जहां द्विपक्षीय व्यापार इस क़दर टूटने लगा?

जवाब अंग्रेज़ी में लिखने वाले एक पद्मश्री पत्रकार के लेख में खोजा जा सकता है। अमूमन वे इस सरकार के विचार से अलग होकर कम ही लिखते हैं लेकिन इस बार उन्होंने लिखा है। लेख में सवाल है कि अमेरिका के साथ ऐसी नौबत क्यों आई? लेख के मुताबिक लगभग एक दशक से ऐसा लगता रहा था कि भारत अमेरिका का मज़बूत सहयोगी है। वाशिंगटन से मुक़ाबला करने में पाकिश्तान और बांग्लादेश हमसे बेहतर रहे जबकि हमारे यहां मोदी इकोसिस्टम तो आतंरिक सियासी संघर्ष का शिकार हो गया। सरकार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका को यूं नहीं नकारना चाहिए था। संसद की बहस में यह ध्वनि और स्पष्ट हुई कि सरकार यह नहीं स्वीकारना चाह रही है कि ऑपरेशन सिंदूर को रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की कोई भूमिका रही। क्या हो जाता जो सरकार कह देती कि 'धन्यवाद ट्रम्प जी, पाकिश्तान को सद्बुद्धि देने और उसे खुद को विनाश से बचाने के लिए!'

पत्रकार का सवाल वाजिब है। आखिर कूटनीति इसे ही तो कहा जाता है और यहां इस बार हम चूके हैं। युद्ध का रुकना कब ग़लत हुआ है। वे लिखते हैं- 'शुरुआत में भारत नरेन्द्र मोदी की नई सरकार के साथ लगातार अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा था, जो अपने चरम पर उस वक्त दिखा, जब भारत मंडपम में मोदी से हाथ मिलाने और गले लगने के लिए जी-20 देशों के शासनाध्यक्ष कतार में खड़े नजर आए। भारत दुनिया को और खास तौर से पश्चिम को उपदेश पिला रहा था। यह सब मिलकर सत्तातंत्र के विरोधाभास के दो ध्रुवों का पहला ध्रुव बनाता है। दूसरा ध्रुव तब उभरता है जब जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका, कनाडा और दबे रूप से ब्रिटेन के साथ रिश्तों में खटास उभरती है। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर और गुरपतवंत सिंह पन्नू मसले की छाया उभरी, लेकिन ट्रूडो के कनाडा को छोड़ किसी ने कोई हंगामा नहीं खड़ा किया। पहला झटका लगा, जब तत्कालीन अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने घोषणा की कि बाइडेन को नई दिल्ली में जनवरी में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है और गणतंत्र दिवस की परेड में मुख्य अतिथि बनने का भी न्यौता दिया गया है। उन्होंने इसे रद्द कर दिया, तो फ्र ांस के राष्ट्रपति ने हमें शर्मिंदगी से बचा लिया। इस समय तक हमारा विरोधाभास उभर आया था और उसमें वृद्धि हो रही थी। एक दशक तक यही धारणा बनी रही कि पश्चिमी खेमा भारत को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी मानता है। चीन के साथ उत्तर-पश्चिमी और पूर्वी सेक्टरों में तनाव के दौरान अमेरिकी मदद की खामोश स्वीकृति भी उभरी। हम खुद को पश्चिम का अपरिहार्य व अनिवार्यतः स्वाभाविक सहयोगी मानकर खुश होते रहे लेकिन फिर उसके प्रति इंदिरा युग वाली चिढ़ उभरने लगी थी। लेख का अंत दिलचस्प है जो कहता है- ऐसा क्यों नहीं हुआ? क्योंकि राहुल गांधी ने संघर्षविराम होने के चंद घंटे के भीतर ही पहला वार कर दिया था कि सरकार ने मध्यस्थता स्वीकार की। राहुल गांधी सरकार को अपना एजेंडा बदलने के लिए अक्सर उकसाते रहते हैं। यह सब पीड़ति होने के गहरे भाव में और इज़ाफा ही करता है।

तब क्या वाकई सरकार विपक्ष की भूल-भुलैया में फंस जाती है। जातिगत जनगणना में भी यही हुआ। इस गणना को सर्वथा नकारने वाली सरकार ने फिर इसे कराने की ठान ली। कुछ महीने पहले बिहार में राहुल गांधी की ज़दि और ललकार ने भी सरकार को प्रेरित किया। बिहार में उन्होंने कहा था- 'पहला कदम यह पता लगाना है कि सच्ची स्थिति क्या है। जाति जनगणना को हम छोड़ने वाले नहीं हैं।'

इससे पहले भी राहुल गांधी संसद में ख़म ठोक चुके थे कि, 'अर्जुन की ही तरह उन्हें भी केवल मछली की आंख दिख रही है और वे जातीय जनगणना करा कर रहेंगे।' वे द्रोणाचार्य द्वारा गुरु दक्षिणा में एकलव्य का अंगूठा लिए जाने का उदाहरण देकर कह रहे थे कि आपने किस-किस का अंगूठा काटा है, हम यह जानकर ही दम लेंगे।

भारत-अमेरिका के बीच इस तनाव की वजह जानने का एक सवाल जब एआई चैटजीपीटी से पूछा जाता है तो जवाब आता है- साल 2023 में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ़ जस्टिस ने एक भारतीय नागरिक को पन्नू की हत्या की कोशिश का आरोपी ठहराया था और ऐसा ही एक मामला कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से भी जुड़ा देखा गया। इन घटनाओं ने विदेशी धरती पर भारतीय ख़ुफ़िया विभाग को संदेह की निगाह से देखने पर मजबूर किया। समय-समय पर अमेरिकी सरकार और मानव अधिकार संगठनों ने भी भारत में प्रेस की आज़ादी और धार्मिक स्वतंत्रता के मसलों को गंभीर माना। भारत की ओर से असहमत आवाज़ों और गैर सरकारी संगठनों पर सख्ती भी एक वजह रही। अमेरिका में विदेश नीति के केंद्र में लोकतंत्र और मानव अधिकार का नैरेटिव काम करता है, लिहाज़ा तनाव भी बढ़ा। यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में रूस से तेल ख़रीदना भी एक वजह है। बहरहाल इन तमाम कारणों से अलग राष्ट्रपति ट्रम्प जो टैरिफ का खेल चला रहे हैं, उसे खुद अमेरिकी कानून ही शक्ति का दुरुपयोग बता रहा है। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला देने वाले ट्रम्प का असल विरोध भी शायद उन्हीं के देश से होगा क्योंकि लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आज़ादी को वहां बुनियादी हक़ माना गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता (2008) और अर्थशास्त्र के जानकार पॉल क्रुगमैन ने भी कह दिया है कि व्यापार को लेकर ट्रंप जो भी कर रहे हैं वह ग़ैरक़ानूनी है और आंकड़े बता रहे हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था अब धीमी हो चली है।

वैसे ट्रम्प की ख़ब्त का कोई ओर-छोर नहीं है। जिस टैरिफ को वे एटम बम बता कर फोड़ते हैं उसकी ताकत सुतली बम से ज़्यादा की न हो क्योंकि इसके पहले मैक्सिको और कनाडा को वे अपना 51वां राज्य बनाने का मंसूबा भी ज़ाहिर कर चुके हैं।

फिर उनका ग्रीनलैंड ख़रीदने का मन भी बन गया था। डेनमार्क के डेनिश साम्राज्य के तहत ही ग्रीनलैंड एक स्वतंत्र द्वीप है और इसके नागरिकों ने ही ट्रम्प को टका सा जवाब दे दिया था। ट्रम्प की यही क़ारोबारी मानसिकता पूरी दुनिया में खलबली मचा रही है जिसका कोई आधार नज़र नहीं आता। अलबत्ता एक पासा है जो जब-तब उछाल दिया जाता है। सोचिए, जो शायर अकबर इलाहाबादी इस दौर में होते तो अपनी ग़ज़ल के इस शेर में क्या कुछ बदलाव करते। काश कि कवियों जैसा थोड़ा सब्र भी इन हुक्मरानों में आया होता-

दुनिया में हूं दुनिया का तलबगार नहीं हूं,
बाज़ार से गुज़रा हूं ख़रीददार नहीं हूं।।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

शारदा नहर पर बनी पुलिया टूटी जांच करने रात में पहुंचे एसडीएम

बीघापुर। नगर पंचायत बीघापुर से रुझेई व कटरी क्षेत्र को जोड़ने वाली शारदा नहर पुलिया के टूटने की सूचना पर एसडीएम रात में मौके पर पहुंचे। उन्होंने एक्सईएन को फोन करके तुरंत पुलिया की मरम्मत कराकर आवागमन चालू कराने के निर्देश दिए।

लोगों ने जानकारी दी कि नहर में पानी न होने से वाहन सवार नहर के अंदर से निकल रहे हैं। दो दिन में पानी छोड़ा जाना है, पुलिया दुरुस्त न हुई तो आवागमन रुक जाएगा।

रुझेई, टिकरीमऊ, मवैया सहित गंगा कटरी क्षेत्र के कई गांवों को नगर पंचायत से जोड़ने के लिए शारदा नहर बीघापुर ब्रांच पर बनी छोटी पुलिया का किनारा लगभग 15 दिन पहले टूट गया था। इसके चलते लोग आवागमन करने के लिए पांच किलोमीटर का चक्कर लगा रहे हैं। सोमवार देर शाम पुलिया का काफी हिस्सा टूट गया।

इससे आवागमन बाधित हो गया। व्यापार मंडल के नेता गोकुल प्रसाद साहू, विजय साहू, अंबिका प्रसाद चौधरी, भगवंतखेड़ा निवासी रामगोपाल यादव व राजन पंडित ने मौके पर पहुंचे और एसडीएम के सामने दिक्कतों को रखा।

इस पर एसडीएम रनवीर सिंह रात में ही टूटी पुलिया का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने मौके से ही एक्सईएन को फोन करके पुलिया को दुरुस्त कराकर आवागमन सुचारू कराने के निर्देश दिए।

नवाब के होटल को सीजमुक्त करने का आदेश

कन्नौज। सिविल जज सीनियर डिवीजन ने नवाब सिंह यादव व नीलू के 11.63 करोड़ के होटल चंदन को सीजमुक्त करने के आदेश दिए है। इस संबंध में प्रशासन व पुलिस से आख्या मांगी है। सुनवाई के लिए तीन जनवरी की तिथि नियत की गई है। कोर्ट से इस संबंध में नौ जनवरी तक का स्टे था।

कोतवाल सदर कपिल दुबे ने गांव अड़ंगापुर निवासी पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह यादव, भाई नीलू यादव सहित अन्य के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें आरोप लगाया कि ये लोग दुष्कर्म व जानलेवा हमला जैसी घटनाओं को अंजाम देते है। डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला के आदेश पर दोनों भाइयों की संपत्ति की जांच की गई। डीएम ने 19 दिसंबर को दोनों भाइयों की संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए।

प्रशासन ने 21 दिसंबर को नवाब व नीलू का तिर्वा में स्थित 11.63 करोड़ का चंदन होटल कुर्क कर लिया था। सोमवार को पुलिस ने 5.50 करोड़ का नवाब व नीलू का बचपन प्ले स्कूल कुर्क किया था। उनके भाई सुदर्शन ने सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में पहले प्रार्थना पत्र दिया था। कोर्ट ने होटल चंदन के लिए 18 सितंबर को स्टे दे दिया था। आदेश दिया कि होटल को ध्वस्त नहीं किया जाए। उस पर अवैधानिक कब्जा नहीं किया जाए। आदेश 9 जनवरी 2025तक प्रभावी रहेगा। इसके बावजूद अवमानना कर होटल चंदन को सीज कर दिया गया। कोर्ट ने सभी पहलुओं पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए होटल चंदन को सीजमुक्त करने के आदेश दिए है। इस संबंध में आख्या भी मांगी है। तीन जनवरी को इस मामले में सुनवाई की तिथि नियत की गई है।

पुलिस लाइन की ड्यूटी में खेल, एसएसपी ने पांच सिपाहियों को किया निलंबित

बरेली , एजेंसी। बरेली में पुलिस लाइन में ड्यूटी दिखवाकर अपने गृह क्षेत्रों में सिपाहियों की मस्ती करने का मामला एसएसपी की जानकारी में आया तो उन्होंने पांच सिपाहियों को निलंबित कर दिया। विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। अन्य पर भी कार्रवाई हो सकती है। आरक्षी रजत बालियान के बारे में एसएसपी अनुराग आर्य को शिकायत मिली कि वह मेरठ व मुजफ्फरनगर में घूमकर मस्ती कर रहा है, जबकि उसकी हाजिरी अनधिकृत रूप से बरेली पुलिस लाइन में चल रही है। एसएसपी ने इस बारे में जानकारी कराई तो आरोप सही पाया गया। इस गड़बड़ी की रिपोर्ट तलब की गई। पता लगा कि लाइन के गणना कार्यालय के आरक्षी रचित कुमार, सतेंद्र सिंह, अर्पित पंवार व पवन बंसल ने रजत को रिकॉर्ड में हाजिर दिखाया है।

वाराणसी में एक श्रीलंका..., यहां के ग्रामीण मांग रहे पक्का पुल; चंदा जुटा करते हैं निर्माण

वाराणसी, एजेंसी। ई पुल बन गयल होत त गुलाब राजभर क पतो मोना (24) बच गयल होतीन। फुलवरिया जाय बदे ओनकरे परिवार क लोगन पिसौर पुले से होके अस्पताल लेके गइलन। मोना के बच्चा ते पैदा हो गयल लेकिन ओन ना बच पइलिन। दनियालपुर जब से टूटल हौ तब से पूरा गांव क मनई परेसान हो गयल हउवन...।

यह कहते-कहते 61 वर्षीय मुनकी दानियालपुर-फुलवरिया पुल की ओर देखने लगती हैं, जो दुर्गंध मार रहे वरुणा नदी पर थी। वह टूट चुकी थी। बांस-बल्ली और लकड़ियों को नदी का पानी बहा ले गया था। पुल का आधा हिस्सा नदी में ही टंगा हुआ है। उधर, गांव वाले हर साल की भांति इस साल भी चंदा इकट्ठा कर रहे हैं। जल्द ही पुल को इस बार भी बना लिया जाएगा तो गांव वालों को स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं सुचारू रूप से मिलने लगेंगी। गांव के लोग आज भी पक्का या पीपा पुल का सपना देख रहे हैं।

दानियालपुर गांव में मात्र एक प्राइमरी स्कूल है। गांव के लड़के और लड़कियां फुलवरिया के प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने जाते हैं, लेकिन इस पुल (चहवा) के टूट जाने से उनकी पढ़ाई-लिखाई के साथ ही अन्य काम भी प्रभावित हो रहे हैं। गांव के 66 वर्षीय शहादुल पटेल ने बताया कि जिन्हें सायकिल चलाने नहीं आती वे बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। यहां अधिकतर लड़कियां सायकिल नहीं चला पातीं, इसलिए वे भी घर पर बैठ गई हैं। इस वक्त अन्य बच्चे पिसौर पुल से स्कूल जा रहे हैं, लेकिन उन्हें सात से आठ किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ता है।

गांव की अनोखी विशेषता

इस गांव को श्रीलंका का टापू भी कहा जाता है, क्योंकि इसके पूरब-पश्चिम और दक्षिण की तरफ वरुणा नदी बहती है। उत्तर की तरफ शिवपुर रेलवे स्टेशन है। हर साल जुलाई के बाद यह पुल बारिश के कारण बह जाता है। तीन-चार महीने के बाद इसे दोबारा बनाया जाता है। गांव वाले चंदा इकट्ठा करते हैं। बंसवाड़ी से बांस काट बजरिए वाहन नदी किनारे लाकर 15-20 दिन में इस चहवा को तैयार किया जाता है, जिसका काम अब शुरू हो चुका है।

पिसौर वार्ड नंबर 49 के पार्षद गोविंद पटेल ने बताया कि पिछले लोकसभा चुनाव यानी 2019 में सेतु निगम ने पुल के लिए सर्वे किया था। लेखपाल ने सीमांकन किया। निशान भी बना दिए गए, लेकिन कुछ महीने बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। वे बताते हैं कि दानियालपुर पांच से छह किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां की आबादी तकरीबन छह से सात हजार है। इस पुल के माध्यम से यहां के लोगों को काफी सहूलियत हो जाती है। उन्होंने बताया कि इसके प्रस्ताव को नगर निगम में पेश किया जाएगा।

गांव के क्षेत्रफल के हिसाब से यहां के लोगों ने एक राजकीय विद्यालय और खेलकूद के मैदान की भी मांग की है। पार्षद ने बताया कि गांव वालों ने अपनी काफी जमीनों को यहां के विकास के लिए दे दिया। यही कारण है कि यहां पिच-सीसी रोड और इंटरलॉकिंग का कार्य हो सका। गांव में अभी तक चकबंदी नहीं हुई है। यहां काफी जमीनें हैं, जहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र खोले जा सकते हैं। जल्द ही इस पर भी काम किया जाएगा।

तीनों तरफ वरुणा नदी से घिरे दानियालपुर गांव के कई खेत बाढ़ में डूब जाते हैं। बाढ़ जाने के बाद यहां की स्थिति और भी बद्तर हो जाती है। हर वक्त पानी में दुर्गंध उठती रहती है। इसका कारण पूछने पर गांव के सूरज, चंद्रप्रकाश, अनिल, राजू, खरपत्तू सहित कई महिलाओं ने बताया कि भिटारी के पास रेलवे का कारखाना है, जहां से भारी मात्रा में गंदगी वरुणा में ही गिराई जाती है। सारी गंदगी नदी के मोढ़ पर इकट्ठा हो जाती है। इस कारण मछलियां तो मरती ही हैं, साथ ही पानी भी गंध मारने लगता है।

क्या कहते हैं सांसद

चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह ने बताया कि शिवपुर विधानसभा के इस गांव की समस्या के बारे में मुझे जानकारी है। 2007 में मैंने ही यहां बांस की पुलिया बनवाई थी। इससे लोगों को काफी लाभ हुआ इसलिए हर साल चंदा इकट्ठा कर गांव वाले इसे बनवा रहे हैं। यह मामला विधानसभा से जुड़ हुआ है, फिर भी गांव के लोगों का मुझसे काफी जुड़ाव है। मैं इसको संज्ञान में लेकर संबंधित लोगों से बातचीत कर यहां पक्का या पीपा पुल का निर्माण करवाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि रेलवे से गंदगी वाली जो समस्या है, इसकी जांच कर समाधान करवाउंगा।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा का मॉक ड्रिल, रनवे पर विमान हादसे के दौरान बचाव और राहत का अभ्यास

वाराणसी , एजेंसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मंगलवार को मॉक ड्रिल की गई। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि यह ड्रिल दो वर्ष में एक बार की जाती है। इसका उद्देश्य विमान दुर्घटना की स्थिति में आपातकालीन सेवाओं की तैयारी और प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना है। ड्रिल में पुलिस, अग्निशमन, एयरपोर्ट अग्निशमन, स्थानीय पुलिस, सीआईएसएफ और एयरपोर्ट से संबंधित सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। रनवे पर एक बस को विमान के रूप में खड़ा किया गया था और ड्रिल के दौरान आपातकालीन सेवाएं अपनी भूमिका निभाती दिखाई दीं। ड्रिल के दौरान विमान दुर्घटना की स्थिति में बचाव और राहत कार्यों का अभ्यास किया गया। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह ड्रिल विमान दुर्घटना की स्थिति में तैयारी और प्रतिक्रिया को मजबूत बनाने के लिए किया गया है।

दो बाइकों को टक्कर मारते हुए पोल से टकराकर पलटा ट्रक

सफीपुर। ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित ट्रक दो बाइक में टक्कर मारते हुए बिजली के पोल से टकराने के बाद पलट गया। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

हरदोई से भूंसी लादकर उन्नाव जा रहे ट्रक का सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के जमलदीपुर के पास ब्रेक फेल हो गया। इससे ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के विपरीत दिशा में पहुंच गया। ट्रक बाइक सवार हसनगंज कोतवाली के कमलेश कुमार (28) और अजगैन के जगदीश (25) को टक्कर मारते हुए बिजली के पोल से टकराकर खंती में पलट गया। राहगीरों ने दोनों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। ट्रक चालक हरदोई निवासी सूरज ने बताया कि ब्रेक फेल होने से सामने से आए वाहन को बचाने में घटना हो गई।

स्कूल से गायब हेडमास्टर व दो शिक्षकों पर कार्रवाई

सरैंया , एजेंसी। बीईओ सिराथू के निरीक्षण में प्राथमिक विद्यालय सरैंया के प्रधानाध्यापक व दो शिक्षक अनुपस्थित रहे। बीईओ ने सभी का वेतन रोक दिया। इसके साथ ही निपुण आकलन का निरीक्षण किया। सिराथू बीआरसी के 12 विद्यालयों में मंगलवार को निपुण आकलन परीक्षा हुई। बीईओ ने इसका निरीक्षण किया। बीईओ प्राथमिक विद्यालय सरैया पहुंचे तो यहां तैनात प्राध्यापक कृष्ण कुमार पांडेय, शिक्षक कुमारी उषा व संजय कुमार नहीं मिले। बीईओ ने तीनों का वेतन रोक दिया। वहीं, 14 विद्यालयों में परीक्षा हुई। बताया कि परीक्षा में 90 प्रतिशत बच्चे मौजूद रहे।

होटल का भंडाफोड़ करने वाली महिला को धमकी

गुरसहायगंज। सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ कर अवैध रूप से संचालित होटल को बंद कराने वाली महिला पर हमला कर घायल करने वाले दबंग फिर से धमकी दे रहे हैं। मामले में एसपी को प्रार्थना पत्र दिया गया है।

कस्बे के मोहल्ला रामकृष्ण नगर में संचालित एक होटल में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ मोहल्ले के लोगों ने कर अवैध रूप से संचालित होटल को बंद करवा दिया था। इससे नाराज होटल संचालक के समर्थकों ने 16 दिसंबर को देर रात रैकेट का भंडाफोड़ करने और अनैतिक कार्य का विरोध करने वाली महिला रेनू चतुर्वेदी पर घर में घुसकर हमला बोल दिया था। वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। मामले में तीसरे दिन मंगलवार को पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आरोपियों पर कठोर करवाई न होने से उनके हौसले बुलंद हैं। रेनू चतुर्वेदी के पति देवनारायण चतुर्वेदी ने एसपी अमित कुमार आनंद को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा कि होटल संचालक के समर्थकों ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हो जाने से नाराज होकर पत्नी पर हमला बोल दिया था। इसके बावजूद पुलिस ने करवाई नहीं की। उन्होंने दबंग लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मौसम ने लिया यू-टर्न, पारा गिरने के साथ ही बढ़ी गलन

इन जिलों के लिए जारी हुई ओले गिरने की चेतावनी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में मंगलवार को बूंदाबांदी से मौसम बदल गया। लोगों ने गलन महसूस की। बूंदाबांदी व बादलों की मौजूदगी से दिन के पारे में 4.1 डिग्री की गिरावट से हवा में ठंडक घुल गई। सोमवार की रात के पारे में 5.3 डिग्री तक का उछाल रहा, जो सामान्य से 5.7 डिग्री अधिक रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अगले 48 घंटों में रात के पारे में दो से चार डिग्री तक की गिरावट के आसार हैं।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से 27 से 28 दिसंबर के बीच फिर से हल्की से मध्यम बूंदाबांदी के आसार जताए गए हैं। दिन व रात के पारे में गिरावट के साथ सर्दी बढ़ेगी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 19.6 डिग्री और रात का पारा 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बूंदाबांदी से राजधानी की हवा की सेहत में थोड़ा सुधार देखने को मिला। मंगलवार को छह वायु प्रदूषण मापक स्टेशनों में से सिर्फ लालबाग की हवा लाल यानी बेहद खराब और अलीगंज की हवा नारंगी यानी खराब श्रेणी में रही। गोमतीनगर, बीबीएयू, कुकरैल और तालकटोरा की हवा पीली यानी मध्यम श्रेणी में दर्ज हुई।

उत्तर प्रदेश में बूंदाबांदी संग मौसम ने करवट लिया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटे में रात के पारे में 2 से 4 डिग्री तक की गिरावट आएगी। अगले दो दिन तात्कालिक तौर पर मौसम साफ रहने के संकेत है। 27 दिसंबर से बारिश के साथ दिन व रात के तापमान में फिर से बदलाव दिखेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के असर से 27 व 28 दिसंबर को प्रदेश विभिन्न इलाकों गरज चमक के साथ हल्के से मध्यम बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। इस बीच तराई इलाकों के साथ ही आगरा आदि में ओले गिरने की भी संभावना है। साथ ही दिन व रात के पारे में गिरावट के साथ सर्दी बढ़ेगी।

सोमवार की देर रात से ही पश्चिमी यूपी के विभिन्न इलाकों में गरज के साथ पड़ी फुहारों के बाद मंगलवार को सुबह राजधानी लखनऊ समेत कानपुर, आगरा, बरेली और मेरठ आदि में हल्की बारिश देखने को मिली। ज्यादातर इलाकों में तापमान में उतार चढाव के बीच दिन भर बादल छाए रहे।

दिन में बढ़ी गलन

बादलों की मौजूदगी और बारिश की वजह से दिन के पारे में गिरावट से हवा में गलन भी रही। हालांकि सोमवार की रात के पारे में उछाल देखने को मिला। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में अगले 48 घंटे में दिन व रात दोनों के तापमान में उतार-चढाव देखने को मिलेगा। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों पर बर्फबारी से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में ठंड बढ़ गई। जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग समेत पर्वतीय इलाके बर्फ की सफेद चादर से ढक गए हैं। लगातार हिमपात ने दुश्वारियां भी बढ़ा दी हैं। कई हाईवे और सड़कें बंद हैं। वहीं, हिमाचल के रोहतांग व कूफरी में भारी बर्फबारी के चलते 10 हजार सैलानी फंस गए, जिन्हें सुरक्षित निकाला गया। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के कारण तीन एनएच और 115 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। बर्फ हटाने के लिए 268 मशीनें तैनात की गई हैं। 70 विभागीय जेसीबी, 96 किराये की मशीनें, 13 उन्नत स्नो ब्लोअर और 13 बुलडोजर वर्तमान में काम कर रहे हैं। पंजाब में घना कोहरा देखने को मिला है। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा में बारिश भी हुई। राजस्थान के गंगानगर, अनूपगढ़, चुरू और बीकानेर में 10 मिमी तक बारिश हुई। राजस्थान में अगले तीन दिन और मध्य प्रदेश में अगले 4 दिन ओले-बारिश का अलर्ट है। इसके चलते राजस्थान सरकार ने 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी है।

किसानों की गांधीगीरी... तीन किमी तक लेटकर आंदोलन, सड़क पर बैठकर अफसरों को सुनाई खूब खरी-खोटी

मुजफ्फरनगर , एजेंसी। मुजफ्फरनगर के चरथावल में विभिन्न मांगों को लेकर भाकियू की पंचायत में अफसरों के नहीं पहुंचने से नाराज किसानों ने लेटकर जिला मुख्यालय की ओर कूच कर दिया। एसडीएम सदर निकिता शर्मा और सीओ राजू कुमार साव ने किसानों के काफिले को रोककर समस्याओं के निदान का भरोसा दिया। शाम सात बजे मुजफ्फरनगर मार्ग पर एक सप्ताह में मांगों पर ठोस कार्रवाई करने सहमति के बाद धरनारत किसान शांत हुए।

पिछले आंदोलनों में आश्वासन के बावजूद किसी मुद्दे पर मांग पूरी न होने पर किसानों ने अफसरों को सड़क पर बैठाकर नाराजगी जताई। मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजे भाकियू युवा के मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा के नेतृत्व में पंचायत शुरू हुई। दो घंटे तक संबंधित विभाग के अफसरों के नहीं पहुंचने पर गुस्साए किसानों ने जिला मुख्यालय की ओर कूच कर दिया। किसान सड़क पर लेटकर जिला मुख्यालय की ओर बढ़े।

पूर्व पंचायत में विकास शर्मा ने कहा चरथावल-थानाभवन मुख्य मार्ग के निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री प्रयुक्त किए जाने की जांच एवं दोषी अफसरों पर कार्रवाई करने, चकबंदी विभाग में किसानों का उत्पीड़न, दो बार आंदोलन के बावजूद सिकंदरपुर गांव में हिंडन नदी पर स्थायी पुल नहीं बनने, सिचाई विभाग की नहरों और

रजबहों की सफाई में घोटाले की जांच कराई जाएं। चरथावल कस्बे में मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण का रुका कार्य अफसरों और व्यापारियों के बीच हुई सहमति के मुताबिक जल्द शुरू कराया जाए।

चरथावल कस्बे में पाइप लाइन की वजह से कस्बे की तमाम सड़कों को तोड़कर गड्ढ़े बना दिए हैं। कस्बे की सड़कों को पुनः निर्माण कराया जाए। भुगतान समय से नहीं मिलने के कारण क्षेत्र के कई गांवों के किसान थानाभवन की बजाज शुगर मिल को गन्ना आपूर्ति नहीं करना चाहते हैं। उनकी व्यवस्था गन्ना विभाग दूसरी मिल के केंद्रों पर कराए।

जिला गन्ना अधिकारी संजय सिसौदिया और रोहाना और बिरालसी गन्ना समिति सचिव एसपी सिंह ने मौके पर कहा कि समस्या के संबंध में गन्ना आयुक्त लखनऊ को प्रस्ताव भिजवाया जाएगा। मंडल युवा महासचिव निखिल चौधरी, रूपक चौधरी, नगराध्यक्ष सौरभ त्यागी, राहुल त्यागी, राज सिंह ठाकुर, पप्पू राणा, सोनू ठाकुर, ग्राम अध्यक्ष ज्ञानामाजरा रूपक चौधरी आदि मौजूद रहे।

पहले दौर की वार्ता विफल

एसडीएम सदर एवं कई विभाग के अफसर चरथावल पहुंचे। उन्होंने कमला फार्म के सामने किसानों के जत्थे को रोककर समस्याएं सुनीं। लेकिन ठोस आश्वासन नहीं मिलने के कारण वार्ता विफल हो गई। पुनः किसानों का काफिला यहां से आगे बढ़ गया। सांझ ढलने और अंधेरे में पुलिस बल के साथ अफसर आगे चलते रहे। इससे पूर्व चकबंदी विभाग और सिचाई विभाग के अफसरों को सड़क पर बैठाकर प्रदर्शनकारियों ने खरी खोटी सुनाई। हिंडन पर स्थायी पुल नहीं बनने को लेकर खासी नाराजगी रही।

धरने पर दो किसानों की बिगड़ी हालत

ब्लॉक अध्यक्ष पवन त्यागी चौकड़ा एवं मनोज शर्मा महरायपुर के किसानों की हालत ठंड में बिगड़ गई। एसडीएम सदर ने दोनों को सीएचसी में उपचार के लिए भेजा। एसओसी, चकबंदी अधिकारी रामकेश, तहसीलदार सदर राधेश्याम, नायब तहसीलदार हरेंद्र पाल सिंह, राजस्व निरीक्षक प्रवीण गुप्ता आदि कई विभाग के अधिकारी काफिले के साथ मौजूद रहे। करीब सात घंटे पंचायत और प्रदर्शन में वार्ता का दौर चला। शाम देर शाम सात बजे डीसीओ के मौके पर आने के बाद सहमति बनी। किसानों की समस्याओं को एक सप्ताह में नियमानुसार पूरा कराने पर भरोसा दिया। कस्बे से तीन किलोमीटर दूर संजीवनी हॉस्पिटल के सामने हुई दूसरे दौर की वार्ता के बाद किसान लौट गए।

बॉक्सिंग डे टेस्टः

ऑस्ट्रेलिया ने घोषित की अपनी प्लेइंग 11, ट्रेविड हेड हुए फिट

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच के लिए मेजबान ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। इस टीम में ट्रेविस हेड को खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया है। यह बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच होगा जो ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला जाएगा।

कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि उनकी टीम इस मुकाबले में दो बदलावों के साथ उतर रही है, जिसमें सैम कोन्टास नाथन मैकस्वीनी की जगह लेंगे और स्कॉट बोलैंड चोटिल जोश हेजलवुड की जगह पर खेलेंगे।

19 साल के कोन्टास के लिए यह खास पल होने जा रहा है क्योंकि इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने उनसे कम उम्र का टेस्ट डेब्यूटेंट साल 2011 में उतारा था। तब पैट कमिंस को 18 साल की उम्र में खेलने के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि कोन्टास ऑस्ट्रेलिया के सबसे युवा ओपनर होंगे और उस्मान ख्वाजा के साथ उनकी उम्र का अंतर काफी ज्यादा होगा।

वहीं, स्कॉट बोलैंड पिछले 18 महीने में भारत के खिलाफ एडिलेड टेस्ट मैच में बढ़िया वापसी करके अपनी गेंदबाजी की धार का प्रदर्शन कर चुके हैं। हालांकि जोश हेजलवुड की चोट के चलते ही उनकी तब वापसी हुई थी। एक बार फिर से बोलैंड टीम में अपनी काबिलियत साबित करने के लिए तैयार होंगे।

झउन्होंने एडिलेड टेस्ट में शानदार गेंदबाजी की थी, जिसमें कंगारूओं ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी। बॉर्डर गावस्कर सीरीज के मौजूदा स्थिति की बात करें तो भारत ने पहला टेस्ट पर्थ में 295 रनों से जीता था। इसके बाद अगले पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर सीरीज बराबर की थी। तीसरा मैच बारिश से प्रभावित रहा और ड्रॉ रहा। यह मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा में खेला गया था। अब दोनों टीमें बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के लिए तैयार हैं।

चौथे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवनः

उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड

ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग

बुमराह ने 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए, अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी की

शानदार पारी खेलने वाले ट्रैविस हेड 825 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि तीसरे टेस्ट में उनके हमवतन स्टीव स्मिथ के शतक ने उन्हें एक बार फिर टॉप-10 में पहुंचा दिया है।

ICC टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	रेटिंग
1	जसप्रीत बुमराह	इंडिया	904
2	कागिसो रबाडा	साउथ अफ्रीका	856
3	जोस हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	852
4	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	822
5	रविचंद्रन अश्विन	इंडिया	789
6	मैट हेनरी	न्यूजीलैंड	782
7	नाथन लायन	ऑस्ट्रेलिया	770
8	प्रभाथ जयसूर्या	श्रीलंका	768
9	नोमान अली	पाकिस्तान	759
10	रवींद्र जडेजा	इंडिया	755

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल कर लिए हैं। उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इससे पहले, भारत के लिए अश्विन ने इतने रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए थे। इन दोनों के अलावा कोई अन्य भारतीय यह कारनामा नहीं कर सका है।

अश्विन को इतने रेटिंग पॉइंट्स दिसंबर 2016 में मिले थे। बॉलिंग रैंकिंग में रबाडा दूसरे नंबर पर बुमराह ने अब तक बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीन शुरुआती मैचों में 21 विकेट लिए हैं। वे टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर बरकरार है। साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा (856) इस समय दूसरे और ऑस्ट्रेलियाई पेसर जोश हेजलवुड (852) तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, रविंद्र जडेजा को विकेट ना मिलने से नुकसान हुआ है और वे टॉप 10 से बाहर हो गए हैं।

केएल राहुल को 10 स्थान का फायदा एडिलेड में शतक के बाद गाबा में 152 रन की

एक ही टीम में भारत-पाकिस्तान के ये खिलाड़ी, अभिषेक शर्मा बने कप्तान, पाक के दो प्लेयर्स को मिली जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट में अलग-अलग देशों की क्रिकेट टीमों के अलग-अलग खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करके विश्व क्रिकेट में अपने नाम का डंका बजाया है. इसमें भारत के अभिषेक शर्मा-नीतीश कुमार रेड्डी से लेकर पाकिस्तान के सैम अयूब और इंग्लैंड के जैकब बेथेल तक का नाम शामिल है. हम आपके लिए साल 2024 के उन युवा और नए सितारों की बेस्ट प्लेइंग इलेवन लेकर आए हैं जिन्होंने इस साल इंटरनेशल क्रिकेट में धमाल मचाया.

साल 2024 की बेस्ट प्लेइंग इलेवन के कप्तान के तौर पर भारत के अभिषेक शर्मा चुने गए हैं. वे ओपनर भी हैं. वहीं उनके बैटिंग पार्टनर हैं पाकिस्तान के सैम अयूब. इसके बाद नंबर तीन पर इंग्लैंड की नई सनसनी 21 वर्षीय जैकब बेथेल हैं. नंबर चार पर भारत के आईपीएल स्टार रियान पराग और पांच पर पाकिस्तान के कामरान गुलाम को जगह मिली है. विकेटकीपर के रूप में इंग्लैंड के 24 वर्षीय के जेमी स्मिथ शामिल हुए. बतौर ऑल राउंडर भारत के नीतीश कुमार रेड्डी 7वें नंबर पर हैं. वहीं गेंदबाजों के रूप में आठवे नंबर पर अफगानिस्तान के अल्लाह गजनफर. नौवें नंबर पर न्यूजीलैंड के विलियम ओरुर्के, 10वें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के 18 वर्षीय क्रेना मफाका और इस प्लेइंग इलेवन के अंतिम खिलाड़ी इंग्लैंड के शोएब बशीर हैं.

ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि भारत आगे हैः शास्त्री

मेलबर्न, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि गुरुवार से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले भारत आगे है।

पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ फिलहाल 1-1 से बराबर है। मुझे लगता है कि यह काफी कमज़ोर रही है। जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप को देखते हैं, तो मुझे बहुत समय हो गया है जब मैंने ऐसा ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप देखा है जिसमें शीर्ष क्रम इतना कमज़ोर हो।

भारत ने इसका फ़ायदा उठाया है और आगे भी उठाता रहेगा। शास्त्री से कहा, मुझे लगता है कि यह एक शानदार मैच होने वाला है। मुझे लगता है कि भारत इस सीरीज़ को जीत लेगा, जिस तरह से यह सीरीज़ आगे बढ़ रही है। कोई भी विदेशी टीम 1-1 से बराबरी पर हो, खासकर जब मैच पर्थ, एडिलेड और ब्रिसबेन में हो, तो वे इसे जीत लेंगे। बॉक्सिंग डे में 1-1 से बराबरी पर जाना सबसे अच्छी स्थिति है। मैं कहूंगा कि भारत आगे है। उन्होंने सैम कोंस्टास के बारे में भी अपना दृष्टिकोण साझा किया, जो एमसीजी में अपना टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, पहले तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद नाथन मैकस्वीनी को बाहर कर दिया गया था। युवा कोंस्टास के लिए सबसे बड़ी चुनौती 21 विकेट लेकर मौजूदा सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मुकाबला करना होगा।

भारत सीरीज में 1-1 से बराबर है और उस आदमी (बुमराह) ने अकेले ही भारत को उस स्थिति में पहुंचा दिया है। जहां तक कोंस्टास की बात है, मुझे लगता है कि वह बहुत तरोताज़ा है। उसके पास प्रतिभा है, वह शानदार है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट तो टेस्ट क्रिकेट है। मुझे लगता है कि उसकी तकनीक और बेहतर होगी और वह ऑस्ट्रेलिया का भविष्य बनेगा। शास्त्री ने कहा, मैकस्वीनी बहुत बदकिस्मत था। मुझे लगा कि उसने कड़ी मेहनत की है, लेकिन वह एक मध्यक्रम का बल्लेबाज है। मैं उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम के श्रीलंका जाने पर वहां जाते हुए देखता हूं और वहां से अपना करियर फिर से बनाता हूं । लेकिन मुझे लगता है कि कोंस्टास को शामिल करना एक अच्छा कदम है, क्योंकि आपको किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो भारतीय टीम पर आक्रमण कर सके, क्योंकि प्रहार कहीं से भी आ रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि भारत ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतेगा, इससे पहले 2018/19 और 2020/21 में भी भारत ने यहां जीत दर्ज की थी। बहुत बढ़िया। लंबे समय से किसी भी टीम ने ऐसा नहीं किया है। ऑस्ट्रेलिया जब भी यहां आता है, तो वह टीमों पर भारी पड़ता है। भारत के लिए लगातार तीन सीरीज जीतना कुछ खास होगा।

लेकिन उन्हें अच्छा क्रिकेट खेलना होगा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया इस टेस्ट मैच में कड़ी टक्कर देगा, खासकर गेंदबाजों के साथ। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बल्लेबाजी होगी। भारत यहां जीतने के लिए आया है, वह यहां नंबर बढ़ाने के लिए नहीं आया है। जब मैं कोच था, तब भी हमारा मंत्र बेहद कड़ी मेहनत, निष्पक्षता और जीत हासिल करना था। आपको ऑस्ट्रेलिया को हराने का तरीका सोचना होगा, न कि सिर्फ प्रतिस्पर्धा करना। आपको सही तरीके से योजना बनानी होगी कि अपने 20 विकेट कैसे लें। भारत ने ऐसा किया है और बहुत आक्रामक रहा है।

शास्त्री ने कहा, वे ऑस्ट्रेलिया के सामने हैं और जितना हो सके उतना अच्छा प्रदर्शन किया है। यह मनोरंजक और जोशपूर्ण रहा है। भारत आगे है। मुझे लगता है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट का पहला दिन तय करेगा कि सीरीज किस तरफ जाएगी। रविचंद्रन अश्विन के अचानक अंतरराष्ट्रीय संन्यास के बाद, शास्त्री ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय टीम के बल्लेबाजी विभाग में जल्द ही नए चेहरे आएंगे। बल्लेबाजी विभाग में, मैं एक या दो साल में कुछ नए चेहरे देख सकता हूं। जायसवाल युवा हैं। शुभमन गिल काफी युवा हैं, ऋषभ पंत अभी भी बहुत युवा हैं। मिश्रण में काफी अन्य खिलाड़ी हैं जो बहुत जल्द आ सकते हैं।

मनु भाकर विवाद के बीच अब इस खिलाड़ी का दावा, खेल रत्न पुरस्कार में किया जा रहा भेदभाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए मनु भाकर के नाम की सिफारिश नहीं किए जाने पर मचे बवाल में अब पैरा तीरंदाज हरविंदर सिंह की एंट्री हो गई है।

उन्होंने मंगलवार को खेल पुरस्कार देने में भेदभाव का आरोप लगाया है। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। हरविंदर ने इससे पहले टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने फाइनल में पोलैंड के लुकास सिसजेक को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

खेलों में भेदभाव

हरविंदर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, खेलों में भेदभाव। उन्होंने कहा, टोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया लेकिन पेरिस 2024 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं का क्या? वही प्रतियोगिता, वही स्वर्ण, वही गौरव - वही पुरस्कार क्यों नहीं? टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली निशानेबाज अवनि लेखरा, भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल और बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के साथ खेल रत्न से सम्मानित किया गया था।

कोंस्टास दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि वह अच्छे हैं: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि सैम कोंस्टास में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में अपनी छाप छोड़ने की क्षमता है, उन्होंने कहा कि किशोर बल्लेबाज में दुनिया को यह दिखाने का जज्बा है कि वह अच्छे हैं। 19 वर्षीय कोंस्टास गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 90,000 से अधिक प्रशंसकों के सामने बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, उन्हें नाथन मैकस्वीनी की जगह टीम में शामिल किया गया है।

2024 अंडर-19 पुरुष विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम के सदस्य कोंस्टास ने कैनबरा के मनुका ओवल में भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री 11 की ओर से खेलते हुए शतक बनाया था। कोंस्टास ने 11 प्रथम श्रेणी मैचों में 42.2 की औसत से 718 रन बनाए हैं। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, मैंने बहुत कुछ देखा है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वहां बहुत प्रतिभा है। जिस तरह से उन्होंने पीएम 11 मैच में खेला (उन्होंने भारतीयों के खिलाफ 107 रन बनाए), जिस तरह से वह उस रात अपने पहले बीबीएल गेम

में खेलने में सक्षम थे। मुझे पता है कि यह अलग-अलग प्रारूप हैं, लेकिन आप देख सकते हैं कि प्रतिभा वहां है और इसके साथ थोड़ा रवैया भी है। यह कोई बुरा रवैया नहीं है, (लेकिन) ऐसा रवैया है कि वह जानता है कि वह अच्छा है और वह दुनिया को दिखाना चाहता है कि वह अच्छा है। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ कोंस्टास के सामने आने वाली चुनौती के बारे में बात करते हुए पोंटिंग ने कहा, अभी भी एक चुनौती है। यह एक टेस्ट मैच है।

यह आपका पहला टेस्ट मैच है। आप दुनिया के कुछ बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ खेल रहे हैं। विश्व क्रिकेट में शायद इससे बड़ी कोई चुनौती नहीं है। यह किसी भी अन्य देश की तरह है जो हमारे गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में पदार्पण कर रहा है, जब आपके पास स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड हैं।

बुमराह निश्चित रूप से इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे अलग और शायद अग्रणी तेज गेंदबाज रहे हैं। इसलिए कोंस्टास के लिए वहां एक बड़ी चुनौती होगी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

एशियाड स्वर्ण पदक विजेता एथलीट हिमा दास पर 16 माह का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था। नाडा की टीम तीन बार उनके दिए पते पर सैंपल लेने पहुंची, लेकिन तीनों ही बार वह नहीं मिलीं।

जकार्ता एशियाई खेलों में दो स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाली देश की स्टार एथलीट हिमा दास पर व्हेयर अबाउट फेल्योर (टेस्ट के लिए ठिकाने का पता नहीं बताना) के लिए 16 माह का प्रतिबंध लगाया गया है। उन पर यह प्रतिबंध 22 जुलाई, 2023 से लगाया गया है। विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) और राष्ट्रीय डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने हिमा पर मामले के आपसी समाधान समझौते के तहत यह प्रतिबंध लगाया है। वरना उन पर दो वर्ष का भी प्रतिबंध लग सकता था। हालांकि इस प्रतिबंध की अवधि इस वर्ष 22 नवंबर को समाप्त हो गई है।

हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था।

235 रन ठोकने वाले केएल राहुल को ओपनिंग से हटाया

इंडिया-ऑस्ट्रेलियाः

नईदिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल अब ओपनिंग नहीं करेंगे? टीम में गिल की पोजिशन भी छिन जाएगी? बेशक इन बातों पर आप यकीन करें या नहीं, लेकिन जो उड़ती-उड़ती खबर आ रही है, वो ऐसा होने के संकेत दे रहे हैं. खबरों के मुताबिक, मेलबर्न में खेले जाने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट में केएल राहुल, सीरीज के पिछले 3 टेस्ट की तरह पारी की शुरुआत नहीं करते दिख सकते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि स्क्रिप्ट पर यशस्वी जायसवाल के साथ रोहित शर्मा के ओपन करने की खबरें

चल रही हैं. वहीं केएल राहुल को लेकर कहा जा रहा है कि वो नंबर तीन पर बैटिंग कर सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक नंबर 3 पर शुभमन गिल खेलते दिख रहे थे. लेकिन, मेलबर्न में राहुल के नंबर तीन पर खेलने की खबर का मतलब है कि गिल से उनकी पोजिशन का छिन जाना. शुभमन गिल हो सकता है तब नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते दिखें. वैसे, इससे उतना फर्क नहीं पड़ने वाला जितना असर केएल राहुल को ओपनिंग से हटाकर दिखने वाला है. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पर्थ से ब्रिसबेन तक खेले पहले 3 टेस्ट में केएल राहुल ने हरेक में पारी की शुरुआत यानी कि ओपनिंग की है. इन 3 टेस्ट की 6 पारियों में 47 की औसत से उन्होंने 235 रन बनाए हैं. ऐसा कर वो मौजूदा टेस्ट सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. वहीं, सीरीज में ओवरऑल सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में वो ट्रेविस हेड के बाद दूसरे नंबर के बल्लेबाज हैं.

अब जैसी की खबरें हैं कि केएल राहुल नंबर 3 पर बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेल सकते हैं, तो आइए जान लेते हैं कि इस पोजिशन पर टेस्ट में उनका रिकॉर्ड कैसा है? राहुल ने नंबर पर कुल 5 पारियां खेली हैं, जिसमें उन्होंने 17.60 की औसत से 88 रन बनाए हैं. ये टॉप के किसी भी बैटिंग ऑर्डर पर उनका सबसे बेकार रिकॉर्ड तो है ही.